कोटद्वार, मंगलवार
2 दिसम्बर 2025
वर्ष: 48
अंक: 196 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संसद का शीतकालीन सत्र:

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा सभापति को बधाई दी, लोकसभा में खूब हंगामा

नईदिल्ली, संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा को संबोधित दिया। उन्होंने राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं सभापति को बहुत बधाई देता हूं। सदन के जरिए देश को प्रगति पर ले जाने के लिए मुद्दों पर चर्चा और आपका अमूल्य मार्गदर्शन हम सबके लिए है। सदन में बैठे सभी सदस्य गरिमा बनाए रखेंगे, ये मैं आपको भरोसा दिलाता हूं। राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद यह पहला सत्र है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे सभापति जी सामान्य परिवार से आते हैं। पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित किया है। समाजसेवा उनकी निरंतरता रही है। आपका यहां तक पहुंचना हम सबका मार्गदर्शन करता है। आप कई राज्यों के राज्यपाल रहे। झारखंड में आदिवासी समाज के बीच जिस तरह से आपने नाता बनाया, जिस तरह छोटे गावों का दौरा करते, वहां के मुख्यमंत्री गर्व के साथ मुझे ये बताते थे। हेलिकॉप्टर हो न हो, आप चले जाते थे। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही खूब हंगामा हआ। प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्षी सांसद वेल में आ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला सांसदों ने शांति बनाए रखने की अपील करते रहे, लेकिन उनकी अपील का कोई असर नहीं हुआ और हंगामे के बीच ही कार्यवाही जारी है। इसके बाद कार्यवाही पहले 12 और फिर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले लोकसभा में पूर्व सदस्यों के निधन पर मौन रखा गया। लोकसभा में हंगामे पर स्पीकर बिरला ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, इस तरह से सदन को बाधित करना ठीक नहीं है। तख्तियां लेकर आप लोग आ रहे हैं, यह उचित नहीं है। पूरी दुनिया में यह संदेश जाना चाहिए कि भारत की सांसद सक्रिय रूप से चलती है और सभी सांसद इसमें भागीदारी करते हैं। स्पीकर ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीट पर वापस जाने की अपील की। प्रधानमंत्री के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, चुनावी स्थिति, एसआईआर और प्रदूषण जैसे मुद्दे बहुत बड़े हैं। आइए इन पर चर्चा करें। संसद किस लिए है? यह कोई तमाशा नहीं है। मुद्दों पर बात करना और उन्हें उठाना तमाशा नहीं है। असली तमाशा तो यह है कि जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा ही न होने दी जाए। प्रदूषण पर हमें चर्चा क्यों नहीं करने दी जा रही है।

संस्कृत उत्थान के लिए उच्च स्तरीय आयोग का होगा गठन : धामी

प्रदेश के प्रत्येक जनपद में आदर्श संस्कृत ग्राम स्थापित करने की पहल

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को हरिद्वार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने संस्कृत भाषा के उत्थान एवं विकास हेतु एक उच्च स्तरीय आयोग के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक जनपद में आदर्श संस्कृत ग्राम स्थापित करने का संकल्प लिया है, जिससे देववाणी संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयास और मजबूत होंगे। साथ ही संस्कृत विद्यार्थियों के लिए सरकारी सहायता, शोध कार्यों में सहयोग और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्भारतीय ज्ञान परंपरा-वैश्विक ज्ञान के विकास में संस्कृत का योगदानह्व जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित यह सम्मेलन भारतीय सभ्यता की गौरवमयी जड़ों को विश्व पटल पर मजबूती से प्रस्तुत करता है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के विद्वानों द्वारा संस्कृत की समृद्ध ज्ञान-परंपरा पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा, जो एक प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं बल्कि संस्कृति, परंपरा, ज्ञान और विज्ञान का आधार है, जिसने प्राचीन मानव सभ्यताओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व की अनेकों भाषाओं की जड़ें संस्कृत से जुड़ी हुई हैं। वेद, पुराण, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, दर्शन, गणित, साहित्य, विज्ञान और खगोलशास्त्र जैसे सभी प्राचीन ग्रंथ संस्कृत में रचे गए, जिसने भारत की वैचारिक धरोहर को समृद्ध किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड सदियों से संस्कृत का केंद्र रहा है। राज्य में संस्कृत को द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान करना इसी विरासत का सम्मान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यालयों में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि गार्गी संस्कृत बालिका छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को प्रति माह 251 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। डॉ. भीमराव अंबेडकर एससी/एसटी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत संस्कृत विषय के एससी/एसटी विद्यार्थियों को समान आर्थिक सहायता दी जा रही है।

एक नजर

हरिद्वार दून ट्रैक बंद होने से 11 ट्रेनें प्रभावित हुई

हरिद्वार। हरिद्वार–देहरादून रेलवे ट्रैक सोमवार को सुबह करीब तीन घंटे तक बंद रहा। इस दौरान रेलवे ट्रैक से गुजरने वाली 11 ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो गया। यह ट्रेनें करीब तीन घंटे विलंब से संचालित हुई। देरी के कारण ट्रेन से सफर कर रहे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। सोमवार को सुबह करीब 6:30 बजे हरिद्वार से देहरादून जा रही ट्रेन संख्या 13009 दून एक्सप्रेस की चपेट में एक शिशु हाथी आ गया। जिस समय हादसा हुआ उस समय शिशु हाथी ट्रैक पार कर रहा था। इस दौरान ट्रेन की भीषण टक्कर से शिशु हाथी की मौके पर मौत हो गई। मौके पर हाथी का बच्चा ट्रेन के इंजन के नीचे फंस गया। ट्रेन के पायलट और लोको पायलट ने ट्रेन को ट्रैक के बीचों बीच रोक दिया। इस कारण सुबह के समय हरिद्वार से देहरादून और हरिद्वार से ऋषिकेश तक आने जाने वाली 11 ट्रेनें प्रभावित हो गई।

शिशु हाथी की मौत के बाद दो घंटे तक मौके पर ही डटा रहा गुस्साये हाथियों का झुंड

हावड़ा एक्सप्रेस से शिशु हाथी की मौत के बाद जंगल में मातम और गुस्सा दोनों नजर आया। हादसे के कुछ ही देर बाद हाथियों का बड़ा झुंड मौके पर पहुंच गया और करीब दो घंटे तक रेलवे ट्रैक के आसपास ही डटा रहा। स्थिति ऐसी थी कि ट्रेन मौके पर रोक दी गई और किसी को भी डिब्बों से बाहर नहीं निकलने दिया गया। शिशु हाथी जिस झुंड से अलग हुआ था, वह पांच हाथियों का परिवार था, जो अक्सर सात की संख्या में इस क्षेत्र में घूमता रहता है। लेकिन सोमवार सुबह हादसे के बाद करीब आठ हाथी इकट्ठा होकर ट्रैक किनारे खड़े रहे। झुंड बार–बार चहलकदमी करता रहा और कई बार जोर से चिंघाड़ भी की, जिससे राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क और रेलवे कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में युवक पर केस

रुद्रपुर। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने और उसे जबरन रास्ते से उठाने के आरोप में युवक के खिलाफ अपहरण औ्र पॉक्सो की धाराओं में केस दर्ज किया है। एक व्यक्ति ने अपर जिला जज रुद्रपुर को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि नौ मई को कृष्णा पुत्र गणेश निवासी बेदी मोहल्ला पुरानी मंडी उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला–फुसला कर ले गया था। खोजबीन करने पर सोलह मई को उसकी पुत्री कृष्णा के पास मिली थी। पुत्री ने बताया कि कृष्णा उसे डरा–धमका कर जबरन अपने साथ ले गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना ली। इससे आहत उसकी पुत्री ने कई बार आत्महत्या करने का प्रयास किया। आरोप है कि कृष्णा उसकी पुत्री का विवाह कहीं और होने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। 25 सितबंर को उसकी पुत्री घर से किसी काम के लिए बाहर निकली थी, तब कृष्णा ने किशोर व अन्य साथियों के साथ मिलकर उसकी पुत्री को जबरन उठा लिया। आरोप लगाया कि कृष्णा उसकी पुत्री से जबरन शादी कर सकता है और विरोध करने पर उसकी हत्या कर सकता है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने कृष्णा पर पॉक्सो व उसके साथियों के खिलाफ अपहरण की धाराओं में केस दर्ज किया है।

बाइक से प्रतिबंधित मांस बरामद, आरोपी फरार

रुद्रपुर। गो संरक्षण स्क्वायड टीम और पुलिस के संयुक्त अभियान में सोमवार सुबह वार्ड 12 में बाइक से प्रतिबंधित मांस बरामद हुआ। आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर पशु चिकित्सा विभाग की टीम को मौके पर बुलाकर जांच करवाई। मांस पॉलीथिन में पैक था, जिसे बेचा जा रहा था। सोमवार को गो संरक्षण स्क्वायड के प्रभारी पंकज बेलवाल, प्रमोद कुमार, पुष्कर राठौर, एसआई जनार्दन भट्ट और चंद्र प्रकाश ने बाईपास कॉलोनी में बाइक सवार मोहसिन पुत्र मो. अली निवासी वार्ड 8 को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख मोहसिन बाइक छोड़कर गलियों में फरार हो गया। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि मांस के सैम्पल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। मौके पर मौजूद विहिप के प्रखंड अध्यक्ष अजय भगत ने बताया कि सितारगंज के निकटवर्ती गांवों में गोवंशीय पशु का वध कर मांस बाइकों से बेचा जा रहा है।

पहाड़ों की बर्फबारी से उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप, कमजोर पड़ने लगा चक्रवात

नईदिल्ली, पहाड़ी राज्यों में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फीली हवाएं कमजोर पड़ने से उत्तर भारत में शीतलहर से थोड़ी राहत मिली हुई है। यह सिस्टम 2–3 दिसंबर को आगे बढ़ जाएगा, जिसके बाद ठंडी हवाएं चलने से हांड कंपा देने वाली सर्दी पड़ने के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आने वाले दिनों में राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सर्दी तेज होने का अनुमान जताया है। इस दौरान भी शीतलहर चलेगी। हिमाचल प्रदेश में शिमला, कुफरी, लाहौल–स्पीति और रोहतांग पास बर्फ की चादर बिछ गई है, वहीं 15 शहरों का तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच गया। यहां 4–5 दिसंबर को बारिश–बर्फबारी का अलर्ट है। इसके अलावा जम्मू–कश्मीर में गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और उत्तराखंड के औली, केदारनाथ घाटी, चोपता में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। उंन्चाई वाले इलाकों में तापमान माइनस 10 डिग्री तक गिर गया, जिससे नदी–नाले जमने लगे हैं। केदारनाथ में तापमान –14 डिग्री दर्ज किया गया। चक्रवात दितवाह अब कमजोर होकर रात एक गहरे अवदाब में बदल गया। साथ ही बुधवार सुबह तक और कमजोर होने की संभावना है। इसके प्रभाव से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में बारिश होने की संभावना है। इसके प्रभाव के कारण मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

राजस्थान मेंकई शहरों में रात का तापमान 1–3 डिग्री तक गिर गया। यहां झुंझुनूं और सीकर जिलों में 3–4 दिसंबर को शीतलहर का यलो अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में नवंबर में रिकॉर्ड तोड़ सर्दी पड़ी है। भोपाल में पारा 5.2 डिग्री पहुंच गया, जो 84 साल में सबसे कम रहा। आगामी दिनों में कई शहरों में शीतलहर चलने के आसार हैं। बिहार में चक्रवात दितवाह के कारण सोमवार को कई जिलों में बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में नवंबर का सबसे ठंडा दिन रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले इस सीजन का सबसे कम अधिकतम तापमान 25 डिग्री रहा था। दिसंबर की शुरुआत भी कड़ाके की ठंड के साथ होने की उम्मीद है। 1 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री तक गिर सकता है, जबकि अधिकतम लगभग 23 डिग्री रहेगा।

पूर्व सैनिक पिता की हत्या में बेटा समेत तीन गिरफ्तार

हरिद्वार। बहादराबाद क्षेत्र में नहर पटरी पर एयरफोर्स के रिटायर्ड जवान भगवान सिंह की हत्या का पुलिस ने सोमवार को खुलासा कर दिया है। मृतक के बेटे यशपाल ने ही करोड़ों की संपत्ति के लालच में अपने पिता की हत्या की साजिश रची थी। हत्या के बाद पुलिस को झूठी सूचना देकर गुमराह किया। पुलिस ने आरोपी यहपाल और उसके दो दोस्तों राजन उर्फ ललित मोहन और शेखर को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि दो दिन पहले मृतक के बेटे यशपाल ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसके पिता की लिफ्ट लेने के वाले एक अज्ञात बदमाश ने गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम द्वारा मृतक के बेटे से पूछताछ कि तो उसके द्वारा बताया की वह किसी दोस्त को शादी में जा रहा था। जब दोस्त के बारे में पूछताछ की गई तो वो सही से जवाब नहीं दे पाया। जिससे शक की सुई बेटे पर ही घूमने लगी।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों के परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली,सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यह साफ कर दिया कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव कराने में अब और कोई रुकावट नहीं आ सकती. यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच के सामने आया. बेंच ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग पहले ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर चुका है और खुद सुप्रीम कोर्ट भी स्पष्ट निर्देश दे चुका है. बेंच ने कहा कि वह चुनाव की समय–सारणी को पटरी से उतारने के लिए मामले में दखल नहीं देगी.

याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि कानून के तहत चुनावी क्षेत्रों के बंटवारे को मंजूरी देने का अधिकार विशेष रूप से सिर्फ राज्य चुनाव आयोग के पास है. बेंच ने महाराष्ट्र में जिला परिषदों, पंचायत समितियों और अन्य स्थानीय निकायों के लिए परिसीमन (सीमा तय करने) की प्रक्रिया की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया.

बेंच ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों को रोकने के लिए किसी भी मुकदमेबाजी की अनुमति नहीं दी जाएगी. बेंच ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, हम किसी भी ऐसी याचिका पर सुनवाई नहीं करेंगे जिससे चुनाव में देरी हो सके. ये सभी याचिकाएं चुनावों में देरी करने की एक चाल लगती हैं.

याचिकाकर्ता के वकील ने बेंच के सामने तर्क दिया कि अगर राज्य सरकार के अधिकारियों को मंजूरी देने का अधिकार सौंपा जाता है, तो यह स्वतंत्र और प्रभावी कामकाज सुनिश्चित करने की राज्य चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी का उल्लंघन होगा. बेंच ने बॉम्बे हाई कोर्ट के 30 सितंबर के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता ने उन मूल आदेशों को चुनौती नहीं दी थी जिनके माध्यम से राज्य चुनाव आयोग और राज्य सरकार ने उपायुक्तों को यह काम करने के लिए अधिकृत किया था.

बेंच ने कहा कि चुनाव 31 जनवरी तक होने थे, जैसा कि उसने पहले निर्देश दिया था. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव कराने में अब और कोई बाधा नहीं आ सकती. वह चुनाव में देरी के लिए किसी भी याचिका पर विचार नहीं करेगा. बेंच ने ये टिप्पणियां तब कीं जब उसने निखिल के कोलेकर की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारों के हस्तांतरण से जुड़े कानूनी सवाल को खुला रखने पर सहमति जताई, जिसकी जांच उचित मामले में की जा सकती है. याचिकाकर्ता ने अंतिम परिसीमन प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए राज्य चुनाव आयोग द्वारा डिविजनल कमिश्नरों को अधिकार सौंपने को चुनौती दी थी.

दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर एनआईए की रेड, पिता—भाई से 5 घंटे तक पूछताछ

–डिजिटल उपकरण समेत अन्य दस्तावेज जब्त

लखनऊ,दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर पर सोमवार को एनआईए की टीम ने छापेमारी की. इस दौरान एटीएस भी मौजूद रही. टीम ने शाहीन के पिता और भाई से 5 घंटे तक पूछताछ की. डिजिटल उपकरण समेत अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए. पूरे मोहल्ले में पुलिस का सख्त पहरा रहा. टीम घर के अंदर दरवाजा बंद कर पूछताछ करती रही जबकि बाहर पुलिस तैनात रही. लखनऊ के अलावा टीम ने जम्मू कश्मीर में भी 9 जगहों पर छापेमारी की. सोमवार की सुबह एटीएस के साथ एनआईए की टीम लखनऊ के लालबाग स्थित खंदारी बाजार पहुंची. यहां पर डॉ. शाहीन का घर है. शाहीन के पिता सईद अंसारी और उनका बड़ा बेटा शोएब इसी घर में रहते हैं. काफी देर तक एनआईए की टीम ने शाहीन के पिता और बड़े भाई से पूछताछ की. टीम सुबह से करीब दोपहर 11:45 तक दोनों से पूछताछ करती रही. कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में हलचल रही. टीम ने करीब 5 घंटे तक छापेमारी की. टीम में एक महिला अफसर समेत करीब 10 लोग शामिल थे. टीम के बाहर निकलते समय मीडिया ने अफसरों से रेड के बारे में पूछताछ की, लेकिन कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं हुआ. कुछ ही देर में अफसर कार में बैठकर निकल गए. इससे पहले जम्मू कश्मीर पुलिस और एटीएस की टीम ने 11 नवंबर को भी शाहीन के घर छापेमारी की थी. 20 दिन बाद एएनआई की टीम रेड डालने पहुंची. छापेमारी के बाद शाहीन के पिता ने अंदर से घर का दरवाजा बंद कर लिया था. उन्होंने घर से बाहर निकलना तक बंद कर दिया था. उनका कहना था कि बेटी ऐसा कुछ कर रही है, इस पर विश्वास नहीं हो रहा है.

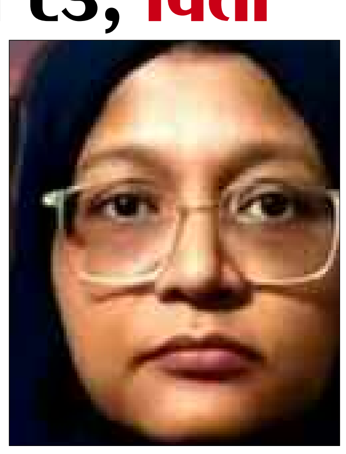

उस दौरान भी पुलिस ने डॉ. शाहीन के घर के आसपास पहरा बैठा दिया था. वहां पर किसी भी तरह के वाहनों के आने जाने व लोगों के निकलने पर पाबंदी लगा दी थी. सोमवार की छापमारी के बाद भी घर के सदस्यों ने टीम के जाते ही दरवाजा बंद कर लिया.

वहीं चर्चा थी कि एनआईए की टीम अपने साथ डॉ. शाहीन को भी लेकर लखनऊ आई थी, टीम उसे लेकर उसके घर नहीं गई. हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई. दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड फरीदाबाद से गिरफ्तार हुई थी. वह डॉ. मुजम्मिल शकील की करीबी है. गिरफ्तारी के दौरान उसकी का से एके–47 भी मिलने का दावा किया गया था. जांच एजेंसियां लखनऊमें शाहीन के भाई डॉ. परवेज के घर में भी छापमारी कर चुकी हैं. परवेज शहर के एक निजी मेडिकल कॉलेज में अस्सिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर तैनात था.

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के ड्रामा नहीं, डिलीवरी बयान पर किया पलटवार

नईदिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान ड्रामा करने की जगह डिलीवरी यानी कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि संसद को नाटकीयता के बजाय गंभीर नीतिगत चर्चाओं का मंच होना चाहिए। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए आई। उनके इस बयान पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पलटवार करते हुए तीखा बयान दिया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन की कार्यवाही बाधित करने की विपक्ष की पिछली रणनीतियों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, पिछले 10 सालों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब लोगों को स्वीकार्य नहीं है। उन्हें अपनी रणनीति बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा, भारत की आर्थिक प्रगति देश को विकसित भारत की तरफ ले जा रही है। यहां ड्रामा नहीं, डिलिवरी हो, नारे नहीं, नीति पर बात हो। हालांकि, कुछ पार्टियां अपनी हार पचा नहीं पाती हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका ने प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा है कि वायु प्रदूषण और मतदाता सूची संशोधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना कोई नाटक नहीं है।

महाराज ने गोवा के राज्यपाल का देवभूमि आगमन पर किया स्वागत

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने गोवा के राज्यपाल पुसापति अशोक गजपति राजू का देवभूमि उत्तराखंड आगमन पर स्वागत किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने गोवा के राज्यपाल पुसापति अशोक गजपति राजू को उत्तराखंड में पर्यटन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से अवगत कराते हुए गोवा और उत्तराखंड के बीच पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने उन्हें बताया कि ग्रीष्मकालीन चारधाम यात्रा के पश्चात सरकार ने 24 अक्टूबर 2025 से शीतकालीन यात्रा का श्री गणेश कर दिया है। चारों धामों के कपाट बंद होने के पश्चात परंपरागत रूप से चार धाम के शीतकालीन पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए पूजा अर्चना और दर्शनों के लिए सरकार ने विशेष प्रबंध किए हैं।

महागठबंधन मे होगी बड़ी टूट..

कई विधायक एनडीए में होंगे शामिल, चिराग पासवान के बयान से खलबली

पटना,बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के बीच केंद्रीय मंत्री और लोजपा रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया है, जिससे महागठबंधन में हड़कंप मच गया है. उन्होंने कहा कि विपक्ष के कई विधायक एनडीए के संपर्क में हैं और वे एनडीए ज्वाइन करके बिहार का विकास करना चाहते हैं. बता दें कि कांग्रेस के 6 में से 4 विधायक महागठबंधन विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे.

पत्रकारों ने जब चिराग पासवान से पूछा कि क्या कांग्रेस के चार विधायक जेडीयू के संपर्क में हैं, तो उन्होंने किसी भी पार्टी का नाम लेने से इनकार कर दिया. उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि कौन किसके साथ जाने की सोच रख रहा है. लेकिन चिराग ने यह जरूर कहा कि विपक्ष के कई नेता एनडीए में शामिल होने के लिए तैयार हैं. चिराग पासवान ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की सोच और नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज सभी पीएम मोदी की की सोच और नीतीश कुमार के नेतृत्व से जुड़ना चाहते हैं. मैं यह नहीं कहता कि कब कौन किसके साथ जुड़ रहा है. लेकिन विपक्ष जिस तरीके से पूरी तरह से धराशायी हो चुका है. मुझे नहीं लगता कि इस डूबती नाव में कोई अब रहना चाहेगा. वहीं चिराग पासवान के बयान पर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने प्रतिक्रिया देते हुए महागठबंधन में बड़ी टूट की बात को खारिज किया है. उन्होंने कहा कि ये आरोप 2020 से लगता आया है और लगता रहेगा. वहीं आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने चिराग पासवान पर तंज कसा है.

पाकिस्तान के क्वेटा में फंटियर कॉर्प्स मुख्यालय पर आत्मघाती हमला, 6 जवानों की मौत

इस्लामाबाद, । पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के नोकुंडी इलाके में स्थित चगाई फंटियर कॉर्प्स मुख्यालय के मुख्य दरवाजे पर सोमवार सुबह बड़ा आत्मघाती हमला हुआ। इसमें 6 जवानों की मौत हो गई। यह हमला कथित तौर पर बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट की सादओ ऑपरेशनल बटालियन द्वारा किया गया। हालांकि, उसने अभी तक इसकी अधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि मुख्य द्वार पूरी तरह नष्ट हो गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मुख्य प्रवेश द्वार पर आतंकियों ने वाहन पर आत्मघाती विस्फोटक उपकरण लगाकर हमला किया। हमले के तुरंत बाद हथियारबंद हमलावर फंटियर कॉर्प्स मुख्यालय में घुस गए। मुख्यालय परिसर के भीतर अभी भी गोलीबारी और झड़पें जारी हैं। स्थिति को अत्यंत तनावपूर्ण बताया गया है। हमले के देखते हुए सभी संबंधित अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। घटनास्थल पर सहायता के लिए क्वेटा से दो हेलीकॉप्टर रवाना किए गए हैं।

दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर बढ़ सकता है उपयोगकर्ता शुल्क

नईदिल्ली, दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीएसएटी) द्वारा टैरिफ की गणना के फॉर्मूले में संशोधन के बाद अब दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों से उड़ान भरने वाले यात्रियों को जल्द ही उपयोगकर्ता शुल्क में भारी वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है। नए फॉर्मूले के कारण उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) 22 गुना तक बढ़ सकता है, जिससे हवाई यात्रा काफी महंगी हो जाएगी। हालांकि, एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (एईआरए) ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

यह विवाद वित्त वर्ष 2009 से वित्त वर्ष 2014 के बीच की 5 साल की टैरिफ अवधि से जुड़ा है, जिसके दौरान दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया टैरिफ बकाया था। टीडीएसएटी के आदेश ने यात्रियों से बढ़े हुए शुल्क के जरिए इस राशि की वसूली का रास्ता खोल दिया है। हालांकि, एईआरए समेत कई घरेलू और विदेशी एयरलाइंस ने आदेश को चुनौती दी है। जिस पर बुधवार को सुनवाई होने वाली है। टीडीएसएटी का यह आदेश लागू होता है, तो दिल्ली हवाई अड्डे पर घरेलू यात्रियों के लिए यूडीएफ मौजूदा 261–129 रुपये से बढ़कर 1,261 रुपये तक और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 656 से बढ़कर 6,356 तक हो सकता है। मुंबई हवाई अड्डे पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए शुल्क 3,856 और घरेलू यात्रियों के लिए 175 तक बढ़ सकता है। विवाद के केंद्र में काल्पनिक नियामक परिसंपत्ति आधार (एचआरएबी) है, जो एईआरए द्वारा प्रयुक्त एक काल्पनिक मूल्यांकन प्रणाली है। उद्योग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि टीडीएसएटी के आदेश के कार्यान्वयन से हवाई टिकट महंगे हो जाएंगे तथा भारत के व्यस्ततम हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या में भी भारी कमी आ सकती है। एयरलाइंस का तर्क है कि यह फैसला उपभोक्ता विरोधी है और यह यात्रियों पर अनुचित बोझ डालता है।

सम्पादकीय

यातायात प्राणधन में फिसड्डी

उत्तराखंड के बड़े नगरों में परिवहन व्यवस्था विकराल समस्या का रूप धारण कर चुकी है। शासन–प्रशासन के तमाम प्रयास लगता है मानो किताबी दावे ही साबित हो चुके हैं और धरातल पर कोई सुधार नजर नहीं आ रहा है। सबसे बुरी स्थिति तो राजधानी वालों के लिए आ खड़ी हुई है जिन्हें चंद किलोमीटर का सफर भी सरक सरक कर तय करना पड़ रहा है। अपनी कमियों को छिपाने के लिए पुलिस प्रशासन शादियों का सीजन बताकर बचने की कोशिश कर रहा है जबकि हकीकत यह है कि राजधानी में सड़कों की जाम वाली स्थिति अब एक नियमित प्रक्रिया बन चुकी है। हालात इतने बदहाल हो चुके हैं कि वाहनों के सैलाब के आगे पुलिसकर्मी भी हताश हो चुके हैं और औपचारिकता के लिए यात्रा संचालन का काम निभा रहे हैं। यह स्थिति अब विस्फोटक हो चुकी है और कहीं ना कहीं सुधार के सभी उपाय अपनाए जा चुके हैं लेकिन व्यवस्थाएं संभलने के बजाय और अधिक बिगड़ती जा रही है। पहले दलील दी जाती थी कि स्कूल टाइम में यातायात का दबाव अधिक रहता है लेकिन अब हालात बदल चुके हैं और देहरादून की कोई एक सड़क ऐसी नहीं है जहां निर्बाध तरीके से यातायात दौड़ता हो। पुलिस विभाग की ओर से वाहनों की चेकिंग करना "कोढ़ में खाज" की तरह साबित हो रहा है क्योंकि चेकिंग तो क्या होनी उल्टे पुलिस की यह कार्यवाही लंबे जाम का कारण बन जाती है। राजधानी में तो दुपहिया वाहन को ही अब सबसे सुलभ यातायात का साधन माना जा रहा है और जो लोग अपनी कारों में बाहर निकलते हैं वह केवल ट्रैफिक संचालन व्यवस्था को कोसते हुए ही नजर आते हैं। असल में यह हालात एकदम से बने बल्कि कहीं ना कहीं इसमें सरकार की नीतियां भी जिम्मेदार हैं। राजधानी देहरादून में बाहरी लोगों की संख्या बे हिसाब तरीके से बढ़ गई है जबकि एक ही घर में अनावश्यक तौर पर कई वाहन खड़े हुए हैं। स्कूलों में छुट्टी के समय लगने वाली वाहनों की कतारें कहीं ना कहीं अब यह इशारा करती है कि आने वाले दिनों में चौपहिया घर में खड़े कर दो पहियों में ही दौड़ना होगा। उत्तराखंड के बड़े नगर जिनमें मुख्य तौर पर देहरादून, हरिद्वार और उधम सिंह नगर है, और यहां यातायात की हालत सबसे अधिक खराब है। हरिद्वार और देहरादून में तो यातायात प्रबंधन की व्यवस्था पूरी तरह से हाथ से निकल चुकी है और अब यहां "अपनी डफली अपने राग" की तर्क पर ही सड़कों पर वाहन दौड़ रहे हैं। पुलिस विभाग को लगता है की चालान काटकर वह यातायात व्यवस्था को सुधार पाएंगे लेकिन जब तक सुचारू रूप से वाहन दौड़ेंगे ही नहीं तो शहरों और सड़कों की हालत बुरी होना तो तय ही है। यातायात का पूरा संचालन चल होमगार्ड और यातायात पुलिस के सिपाहियों के कंधों पर है शेष इससे ऊपर के पुलिसकर्मी तो मात्र औपचारिकता निभा रहे हैं। अधिकारी कभी सड़क पर नजर नहीं आते, सड़कों पर अराजकता का आलम यह है की बे हिसाब हूटर बजाकर यातायात व्यवस्था संचालन को ठेंगा दिखाया जा रहा है। उत्तराखंड के इन बड़े नगरों में यात्रा व्यवस्था सुधर भी पाएगी अब तो इस पर भी संदेह लगने लगा है क्योंकि यात्रा सुधार की योजनाएं अधिकारियों की समीक्षा गोष्ठी में ही बनती है जिसमें सुधार का काम कांस्टेबल स्तर के कर्मचारियों के कंधों पर डालकर बाकी लोग कुंभकरण की नींद सोते हैं। ऐसी दशा में वाहन चालकों के पास सड़कों पर तिल–तिल रेंगने के अलावा और कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है।

सबसे साधारण काम—सोचना—सबसे विद्रोही कदम

श्रुति व्यास

ईमानदारी से सोचना भी अब दुश्मन बनाना है। असहमति मानो युद्ध की घोषणा हो। और यदि कोई व्यक्ति बारिक मनोभाव में बात रखे, न्यूआंस दिखाए तो वह हर पक्ष की नज़रों में तुरंत संदिग्ध बन जाता है। मतलब यह कि विचारों की कोई यदि अलग–अलग परतदार दृष्टि रखे तो वह अजनबी हो जाएगा। इसलिए राजनीतिक पहचान में अब या तो काला है या सफेद। जो लिखना या कहना है वह शुद्ध, साफ़ और दो टूक ढंग से होना चाहिए। इससे सभी तरफ अजीब सा नजारा है। खासकर उन लोगों के लिए जो अब समझ से बाहर है। जिन्हें आप कभी विवेकशील मानते थे। आप यदि कोई संतुलित बात कहते हैं तो वह 'छिपे धोखेइ की तरह पढ़ी जाती है। आप किसी विरोधाभास की ओर संकेत करते हैं, तो आपको खेमे बदलने का आरोपी बना दिया जाता है। यह वह मसला है जो धीरे–धीरे थका देता है, जब तक कि आप कम बोलने नहीं लगते–डर से नहीं, बल्कि इसलिए कि बातचीत ही बेमतलब हो जाती है।

कभी समय था जब सियासी असहमति का मतलब बहसबाजी थी। तथ्य तौलने के लिए रखे जाते थे। तब तर्कों की कसौटी होती थी, और गर्मागर्म बहस में भी सामने वाले की सोच के प्रति सम्मान होता था। वह समय अब मानों प्रागैतिहासिक काल है। ईमानदारी से सोचना भी अब दुश्मन बनाना है। असहमति मानो युद्ध की घोषणा हो। और यदि कोई व्यक्ति बारिक मनोभाव में बात रखे, न्यूआंस दिखाए तो वह हर पक्ष की नज़रों में तुरंत संदिग्ध बन जाता है।

मतलब यह कि विचारों की कोई यदि अलग–अलग परतदार दृष्टि रखे तो वह अजनबी हो जाएगा। इसलिए राजनीतिक पहचान में अब या तो काला है या सफेद। जो लिखना या कहना है वह शुद्ध, साफ़ और दो टूक ढंग से होना चाहिए।

इससे सभी तरफ अजीब सा नजारा है। खासकर उन लोगों के लिए जो अब समझ से बाहर है। जिन्हें आप कभी विवेकशील मानते थे। आप यदि कोई संतुलित बात कहते हैं तो वह 'छिपे धोखेइ की तरह पढ़ी जाती है। आप किसी विरोधाभास की ओर संकेत करते हैं, तो आपको खेमे बदलने का आरोपी बना दिया जाता है। यह वह मसला है जो धीरे–धीरे थका देता है, जब तक कि आप कम बोलने नहीं लगते–डर से नहीं, बल्कि इसलिए कि बातचीत ही बेमतलब हो जाती है। तभी अब संवाद नहीं, दिखावा हैं। तर्क नहीं, भूमिकाएँ हैं, ।

एक पक्ष चाहता है आप ऐसा सोचें। और दूसरे खेमे से वही पुरानी बातेः यह सब चुनाव आयोग का खेल है। महिलाओं के खातों में पैसे डाल दिए। सब धांधली है–एक दिन सच सामने आएगा। हाँ, एक दिन सब देखेंगे–बस उस नाटकीय, सत्य–उजागर करने वाले अंदाज़ में नहीं। जो हम देखेंगे वह कहीं ज्यादा साधारण और ज्यादा दुखद होगा। देखेंगे कि जब हर कोई अपने–अपने पक्ष की भविष्य की जीत का अनुमान लगाने में व्यस्त था, तब वर्तमान चुपचाप और बेरहम होता चला गया। सो एक दिन कोई रहस्योद्घाटन नहीं, बल्कि आत्म–चिंतन की जगह चुना हुआ एक छलावा, बहाना है।

इसके बावजूद 'क्या हो सकता थाइ की लगातार बौछार जारी रहती है। हर हार साज़िश में बदल जाती है; हर जीत अवैध घोषित। विपक्ष के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के बजाय उसे एक स्थायी पीड़ित कथा में बदल दिया जाता है–एक ऐसी दुनिया का शिकार जहाँ सब कुछ उसके खिलाफ़ 'फिक्स है। और तब तर्क अचानक दुश्मनी बनाते है इसलिए कि वे तयशुदा कथा में फिट नहीं बैठते।

और इसी शोर के बीच कुछ बदलने लगता है। कुछ आवाज़ें–धीमी, अनपेक्षित एक स्वीकारोक्ति। यह कि मोदी अब भी एक मज़बूत राजनीतिक शक्ति हैं। स्वीकारोक्ति कि वैश्विक मंच पर भारत की चमक बढ़ी है। स्वीकारोक्ति कि फिलहाल कोई विपक्षी नेता उनसे टक्कर नहीं ले पाता। स्वीकारोक्ति कि भाजपा का संगठनात्मक विस्तार और सांस्कृतिक पकड़ उसके किसी प्रतिद्वंद्वी से कहीं आगे है। और फिर यह दबी हुई मान्यता कि अगले दशक तक भाजपा शायद अडिग रहे।

यह स्वीकारोक्ति है, नई प्रशंसा है, या थकान , निराशा की अभिव्यक्ति? अब सुनने में आता है कि जो लोग कभी अपने को निष्पक्ष मानते थे, वही अब उसी स्वीकृत सूची को दोहरा रहे हैं–आयोग, ट्रांसफर, धांधली, अनिवार्यता। वे सोचते हैं कि वे कथा का प्रतिरोध कर रहे हैं, जबकि प्रतिरोध भी अब एक तयशुदा ढांचे में हो रहा है–एक जैसी भाषा, एक जैसे वाक्य, मानो असहमति का भी एक मैनुअल हो गया हो।

यहीं से नई रूढ़ियाँ जन्म लेती हैं। सेंसरशिप से नहीं–दोहराव से। रोम को सीनेट को चुप कराने के लिए सम्राटों की ज़रूरत नहीं थी; सीनेट ने खुद सम्राटों की तरह बोलना सीख लिया। सोवियत राज्य ने वफ़ादारी पैदा नहीं की; उसने अलग सुनाई देने के डर को पैदा किया। और भारत ने यह पहले भी देखा है–आपातकाल के बाद, जब इंदिरा की आलोचना जोखिमपूर्ण लगती थी; राजीव के शुरुआती वर्षों में, जब उनकी आलोचना को बेवफ़ाई माना जाता था।

सो हर खास वक्त, युग अपनी स्वीकार्य असहमति के टेम्पलेट गढ़ लेता है।

और शायद हमारा टेम्पलेट आज बाहर से आयात है। जैसे भारत के मौजूदा समय को एंटी–वोक क्षण कहने का आग्रह–एक शब्द जो अमेरिकी सांस्कृतिक युद्धों से यहाँ उतर आया है। लेकिन भारत में अमेरिकी वोकनेस जैसा कुछ नहीं है; हम सर्वनामों, लैटिनक्स या क्रिटिकल रेस थ्योरी पर नहीं लड़ते। हमारे यहाँ जो है वह अधीरता है–अभिजात उपदेशों से, उन प्रगतिवादियों से जिनकी भाषा अधिकांश भारतीयों को परायी लगती है, उन लोगों से जो स्थानीय वास्तविकता से ज़्यादा वैश्विक सहीपन में जीते हैं। इसे एंटी–वोक कहना भारतीय बेचैनी पर अमेरिकी फ्रेम थोपना है। हमारा संघर्ष पहचान का नहीं, दूरी का है।

इसीलिए यह क्षण विद्रोह जैसा नहीं, बल्कि एक नई रूढ़ि के उभार जैसा लगता है–जहाँ सत्ता–विरोध भी केवल एक स्वीकृत अंदाज़ में ही किया जा सकता है। जहाँ आलोचना पैक होकर आती है। जहाँ असहमति अब स्वतंत्र सोच नहीं, बल्कि क्यूरेटेड परफ़ॉर्मेंस बन गई है।

और शायद यही इस दौर की सबसे विचित्र बात है–जो लोग सत्ता के प्रतिरोध का दावा करते हैं, वे अब एक–दूसरे की तरह सुनाई देने लगे हैं। इसलिए नहीं कि वे सही हैं, बल्कि इसलिए कि अनुरूपता ने बस दायरा बदल लिया है। और शायद इसी वजह से सबसे साधारण काम–सोचना–सबसे विद्रोही क़दम बन गया है।

हम बहस के ढहने से शुरू हुए थे और पहुँच गए हैं उस समय में जहाँ तर्क पहले से चबाकर परोसे जाते हैं और राय पहले से मंजूरशुदा होनी चाहिए। त्रासदी यह नहीं कि लोग चिल्लाते हैं; त्रासदी यह है कि वे रटी हुई पंक्तियाँ चिल्लाते हैं। एक ओर के आरोप और दूसरी ओर की साज़िशों के बीच, स्वतंत्र सोच के लिए जगह एक पतली दरार तक सिकुड़ गई है। और उसी दरार में हमारे समय की असल कहानी छिपी है–उन लोगों का शांत अलगाव जो किसी स्क्रिप्ट को मानने से इंकार करते हैं। उन बातचीतों में अजनबी बन जाने का अहसास जिनसे आप कभी जुड़े थे। इसलिए नहीं कि आप बदले, बल्कि इसलिए कि सोच बदल गई।

कानून की परिभाषा अक्सर बदल जाती है

पुनरीक्षण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 2–1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। नतीजतन, पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो– यह चलन जारी रहेगा।कानून यह है कि कोई किसी भी निर्माण परियोजना पर काम पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद ही होना चाहिए। मगर सरकार ने पहले 2017 में एक अधिसूचना और फिर 2021 में ऑफिस मेमोरेंडम के माध्यम से प्रावधान कर दिया कि बिना पर्यावरण संबंधी हरी झंडी लिए जिन परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ चुका है, उन्हें बाद में ऐसी मंजूरी दी जा सकेगी। मुद्दा है कि कोई परियोजना जब पर्यावरण को क्षति पहुंचा चुकी हो, तो फिर उसे मंजूरी देने या ना देने की क्या अहमियत है? बहरहाल, सरकार ने ऐसा प्रावधान किया, तो उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इस वर्ष मई में सवोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को रद्द कर दिया।दो जजों की बेंच ने उचित निर्णय दिया कि ऐसा करना कानून और उसकी भावना के खिलाफ है। मगर चूंकि इस फैसले से बड़े– बड़े हित प्रभावित हो रहे थे, तो पुनरीक्षण याचिका पर कोर्ट ने तीन जजों की बेंच बनाई। अब उस बेंच ने 2–1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। यानी पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो– यह चलन जारी रहेगा। मई में फैसला देने वाली बेंच में शामिल रहे जज जस्टिस उज्जल भुइंया नई बेंच में भी थे। उन्होंने असहमत फैसला दिया। इसमें उचित ही उन्होंने दिल्ली में छाये स्मॉग का उदाहरण देते हुए देश में गहराते जा रहे पारिस्थितिकीय संकट का हवाला दिया।उन्होंने इस दलील को ठुकरा दिया कि मई का फैसला लागू रहने पर अरबों रुपये का निर्माण तोड़ना होगा, इसलिए फैसले को उलट दिया जाए। लेकिन बाकी दो जजों ने 20 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति के दांव पर लगे होने का तर्क देते हुए निर्णय को पलट दिया। वैसे उनके सामने विकल्प यह भी था कि कानून के हुए उल्लंघन पर भारी जुर्माना लगाते, उल्लंघन होने देने के दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करते, और निर्णय देते कि आगे से ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। संदेश साफ है, जब धनी–मानी लोगों के हित जुड़े हों, तो अक्सर कानून की परिभाषा बदल जाती है!

संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी है कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया है। विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले को पलट दिया है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने व्यवस्था दे दी कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया। यानी गुजरे अप्रैल में तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में खुद उसने जो निर्णय दिया, उसके बारे में अब उसकी राय है कि उसने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर व्यवस्था दी! तब सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते हुए कहा था कि विधानसभाओं से दोबारा पारित विधेयकों पर राज्यपालों को 90 दिन के अंदर सहमति देनी होगी। ऐसा ना होने पर समझा जाएगा कि संबंधित विधेयक को मंजूरी मिल गई है। राज्यपालों के जरिए राज्यों के अधिकार क्षेत्र में केंद्र के दखल की शिकायतें गुजरे वर्षों में बढ़ती चली गई हैं। विधानसभाओं से पारित ऐसे विधेयक, जिनसे केंद्र सहमत ना हो, उन्हें कानून ना बनने देने के लिए राज्यपालों ने उन पर दस्तखत ना करने का तरीका अपनाया है। अतः इससे परेशान गैर–एनडीए राज्य सरकारों के लिए सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल के फैसले को बड़ी राहत माना गया। समझा गया था कि उस फैसले से सुप्रीम कोर्ट ने फेडरिज्म की रक्षा की है, जो संविधान के बुनियादी ढांचे का प्रमुख पहलू है। मगर उससे केंद्र नाराज हुआ। उसने सीधे पुनर्विचार याचिका दायर करने के बजाय राष्ट्रपति के रेफरेंस से मामले को दोबारा कोर्ट के पास भेजा।

अब कोई पुराने वादों को याद नहीं करता

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2013 का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर किया है। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत पर चिंता जता रहे थे। उस समय सिर्फ नरेंद्र मोदी ही नहीं, बल्कि भाजपा के दूसरे नेता भी कहते थे कि रुपए की कीमत गिरने का मतलब होता है देश की प्रतिष्ठा गिरना। ध्यान रहे उस समय एक डॉलर की कीमत 60 रुपए के करीब थी। आज जब एक डॉलर की कीमत 90 रुपए के करीब पहुंच गई है तो कांग्रेस के नेता और सोशल मीडिया में कांग्रेस इकोसिस्टम के लोग पुराने वीडियो या सोशल मीडिया पोस्ट निकाल कर सार्वजनिक कर रहे हैं। इसी क्रम में जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी का वीडियो साझा किया तो एक कांग्रेस समर्थक ने आर्ट ऑफ लिविंग वाले रविशंकर की पोस्ट साझा की, जिसमें वे नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर डॉलर की कीमत 40 रुपए हो जाने की उम्मीद जता रहे थे। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर पुरानी बातें भी याद दिलाई जा रही हैं। लोग सोशल मीडिया में शेयर कर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ साथ अमिताभ बच्चन से लेकर अक्षय कुमार और बाबा रामदेव तक का मजाक बना रहे हैं। एक समय था जब फिल्म और क्रिकेट के सितारों सहित रामदेव जैसे लोग इस बात से परेशान रहते थे कि पेट्रोल की कीमत 60 रुपए प्रति लीटर हो गई है और अब आम आदमी का काम कैसे चलेगा। एक अभिनेता ने तो लिखा था कि उनके ड्राइवर को बड़ी मुश्किल हो गई है और उन्होंने ड्राइवर को साइकिल से चलने के लिए कहा है। लेकिन अब पेट्रोल की कीमत एक सौ रुपए प्रति लीटर है और किसी के ड्राइवर को समस्या नहीं हो रही है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ रुपए के कमजोर होने या पेट्रोल की कीमत बढ़ने को लेकर विपक्षी पार्टियों के नेता या उनके समर्थक देश के नागरिकों की याद्दाश्त के ताले खोलने की कोशिश कर रहे हैं। कई और मामलों में ऐसा करने की कोशिश हो रही है। विदेशों में जमा काला धन लाने की बात उनमें से एक है। ध्यान रहे प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर नरेंद्र मोदी ने 2014 में कहा था कि विदेशों में भारत का इतना काला धन जमा है कि अगर वह वापस आ जाए तो हर भारतीय के खाते में 15–15 लाख रुपए आ सकते हैं। उनका संकल्प था काला धन विदेश से लाना है। लेकिन बाद में पता चला कि जितना बताया जा रहा उसके एक प्रतिशत के बराबर भी काला धन बाहर नहीं है और यह भी पता चला कि जो है वह भी काला धन नहीं है। उसमें बढ़ोतरी होने की खबरें भी गाहेबगाहे आती रहती हैं। बहरहाल, लोगों को महंगाई से लेकर महिलाओं की सुरक्षा और नोटबंदी के बावजूद बाजार में नकदी की उपलब्धता से लेकर अर्थव्यवस्था के ग्राफ तक सबकी याद दिलाई जा रही है। सोचें, नकदी की मात्रा कम करने के लिए नोटबंदी की गई थी और आज उस समय के मुकाबले दोगुनी नकदी बाजार में मौजूद है। यही हाल देश की अर्थव्यवस्था का है। आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विकसित भारत बनाने के तमाम नैरेटिव के बीच हकीकत यह है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से आयात पर आधारित होती जा रही है, जिससे भारत का व्यापार घाटा तेजी से बढ़ रहा है। रॉकेट की रफ्तार से भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है। पिछले साल यानी 2024 के सितंबर में भारत का व्यापार घाटा 24.65 अरब डॉलर था। यह एक महीने का घाटा था। अगले साल सितंबर का आंकड़ा आया तो साल दर साल के मुकाबले इसमें आठ अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी और सितंबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा बढ़ कर 32.15 अरब डॉलर हो गया था। लेकिन एक महीने बाद अक्टूबर 2025 का व्यापार घाटा हैरान करने वाला था। हाल में आए आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़ कर 41.68 अरब डॉलर हो गया। अगर यह औसत है तो इसका मतलब है कि साल में पांच सौ अरब डॉलर का व्यापार घाटा! अकेले चीन से भारत का व्यापार घाटा एक सौ अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। सोचें, इस रफ्तार से भारत की अर्थव्यवस्था आयात पर निर्भर होती जाएगी और निर्यात के मुकाबले आयात का अंतर बढ़ता जाएगा तो कहां से आत्मनिर्भरता आएगी और क्या विकास होगा? अभी बहुत उथलपुथल नहीं होने के बावजूद रुपए की कीमत में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है एक डॉलर 89 रुपए का हो गया है। सवाल है कि अब क्यों किसी को रुपए की कीमत गिरने पर शर्म नहीं आ रही है या पेट्रोल की कीमत रिकॉर्ड उंचाई पर होने के बावजूद किसी को समस्या नहीं हो रही है या काला धन नहीं आने और नकदी बढ़ते जाने पर भी कोई परेशान क्यों नहीं हो रहा है? क्या देश की सामूहिक याद्दाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि लोग 11 साल पहले की सारी बातें, सारे वादू भूल चुके हैं? यह सही है कि लोगों की याद्दाश्त कमजोर होती है और खास कर राजनेताओं के वादों के मामले में। लेकिन इस तरह से लोग सब कुछ भूल जाएं यह भी अनोखी बात है।

टीवी के बाद भाभीजी घर पर हैं सिनेमाघरों में करेगी धमाका

एक दशक से भी ज्यादा समय तक छोटे पर्दे पर राज करने के बाद सबका पसंदीदा टीवी शो भाबीजी घर पर हैं अब बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाला है. जी हां, भाबीजी घर पर हैं के मेकर्स ने एलान किया कि वे इस शो पर अब बड़े पर्दे पर ला रहे हैं. उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है. भाबीजी घर पर हैं के मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल और पोस्टर के साथ रिलीज डेट का एलान किया है. मेकर्स ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, भाभीजी जो अब तक घर पर थीं, अब बड़े पर्दे पर आएंगी. भाबीजी घर पर हैं फन ऑन द रन 6 फरवरी को थिएटर में रिलीज हो रही है. फिल्म के किरदारों की बात करें तो विभूति जी का चार्म, तिवारी जी का ड्रामा, अंगूरी भाभी का सही पकड़े हैं, अनीता भाभी की ब्यूटी और कॉन्फिडेंट अंदाज और हप्पू सिंह और सक्सेना का आई लाइक इट अब ज़ी सिनेमा और जी स्टूडियोज की इस फिल्म में दिखेगा. ओरिजिनल कास्ट अपने आइकॉनिक रोल में नजर आएंगे. रवि किशन, मुकेश तिवारी और निरहुआ भी इस फिल्म के हिस्सा होंगे. उनकी ज़बरदस्त एनर्जी और आसान ह्यूमर से उम्मीद है कि यह कॉमेडी एडवेंचर एक नए लेवल पर पहुंच जाएगा. भाबीजी घर पर हैंः फन ऑन द रन जी सिनेमा और एडिट–।। का प्रोड्यूस किया हुआ है. यह फैमिली कॉमेडी ड्रामा अगले साल यानी 6 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर आएगा. जनवरी में भाबीजी घर पर हैं ने 2500 एपिसोड पूरे किए. इस माइलस्टोन को सेलिब्रेट करते हुए, टीम ने पूरी कास्ट और क्रू की मौजूदगी में सेट पर एक ग्रैंड केक–कटिंग सेरेमनी रखी.

एशेज सीरीज 2025—26: गाबा के मैदान पर इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का कैसा रहा है प्रदर्शन?

नईदिल्ली, एशेज सीरीज 2025–26 के पहले पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम को हराते हुए बढ़त बनाई हुई है। अब सीरीज का दूसरा मैच 4 दिसंबर से ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर खेला जाएगा। यह मैदान ऑस्ट्रेलिया को काफी रास आता है और ऐसे में मेजबान टीम अपना वर्चस्व बरकरार रखना चाहेगी। इस बीच गाबा में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों टीमों के प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं। क्रिकइंफो के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया ने गाबा के मैदान पर अब तक कुल 69 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 43 में उन्हें जीत मिली और 11 में हार का सामना करना पड़ा। इस बीच 14 टेस्ट ड्रॉ रहे और 1 टेस्ट टाई रहा था। कंगारू टीम का इस मैदान पर सवोच्च स्कोर 645 रन है और सबसे कम स्कोर 58 रन है। इस मैदान पर सवोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड माइकल क्लार्क (259*) के नाम पर है। एशेज सीरीज में इंग्लैंड ने गाबा में कुल 23 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 5 में उन्हें जीत मिली है और 13 में शिकस्त मिली है। इस बीच 5 टेस्ट ड्रॉ पर भी समाप्त हुए थे। इंग्लिश टीम का गाबा में सवोच्च टीम स्कोर 521 रन और न्यूनतम स्कोर 79 रन रहा है। इंग्लैंड ने इस मैदान पर 21वीं सदी में कोई टेस्ट नहीं जीता है। उन्होंने यहां पर अपनी आखिरी टेस्ट जीत 1986 में दर्ज की थी।

गाबा में ऑस्ट्रेलिया से ग्रेग चैपल ने 11 पारियों में 1,006 रन और क्लार्क ने 13 पारियों में 1,030 रन बनाए थे। मौजूदा टीम से ट्रेविस हेड ने 57.89 की औसत से 521 रन और स्टीव स्मिथ ने 54.47 की औसत से 926 रन बनाए थे। गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क ने 12 टेस्ट में 28.94 की औसत के साथ गाबा में 50 विकेट लिए थे। नाथन लियोन ने यहां 14 टेस्ट में 52 सफलताएं हासिल की थी। गाबा में सर्वाधिक रन बनाने वाले इंग्लिश बल्लेबाज एलिस्टर कुक हैं, जिन्होंने 8 पारियों में 63.28 की औसत के साथ 443 बनाए थे। कुक ने यहां दोहरा शतक भी लगाया था। मौजूदा टीम से जो रूट ने 6 पारियों में 36.60 की औसत के साथ 183 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में बॉब विलिस ने यहां पर 3 मैचों में 16 की औसत के साथ 19 विकेट लिए थे।

जूडी हॉप्स की आवाज बनकर छाई श्रद्धा

हॉलीवुड की फिल्म हो और वो भी एनिमेटेड.. फिर तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि आप इसे देखकर निराश हों। 'जूटोपिया 2झ् भी कुछ ऐसी ही फिल्म है। पहले सीन से लेकर आखिरी सीन तक कहानी आपको बांधे रखती है और इसके वन लाइनर्स हंसा–हंसाकर आपका पेट दर्द कर देते हैं। वहीं मेकर्स ने लीड किरदार में श्रद्धा कपूर की आवाज जोड़कर इसमें चार चांद लगा दिए। फिल्म की कहानी पहले पार्ट से आगे बढ़ती है। जूडी हॉप्स और निक वाइल्ड जूटोपिया पुलिस डिपार्टमेंट में पार्टनर हैं पर दोनों के बीच बॉन्डिंग अच्छी नहीं है। एक केस में दोनों से गलती होने के बाद चीफ बोगो उन्हें अलग हो जाने या फिर थैरेपी सेशन अटैंड करने की सलाह देते हैं। जूडी को लगता है कि जूटोपिया में कोई सांप घुस आया है पर उसकी बात पर कोई यकीन नहीं करता। वो निक को मनाकर तहकीकात में लग जाती है। इसी बीच जूटोपिया के संस्थापक लिंक्सली परिवार एक पार्टी देता है जिसमें गैरी नाम का सांप सबके सामने आ जाता है। अब यह सांप जूटोपिया में किस लिए आया? क्या जूडी इसकी जड़ तक पहुंच पाएगी ? क्या उसका और निक का रिश्ता बिगड़ेगा या बेहतर होगा?

फिल्म 'धुरंधर का नया गाना 'गहरा हुआ रिलीज

आगामी फिल्म 'धुरंधर का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना गहरा हुआ रिलीज कर दिया है। इस गाने में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन का रोमांटिक अंदाज देखन को मिल रहा है।

मेकर्स ने फिल्म धुरंधर का नया गाना गहरा हुआ रिलीज किया है। 3 मिनट 50 सेकेंड के इस गाने में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन पहले तो बाइक पर साथ में कहीं सैर करते दिख रहे हैं। फिर दोनों मॉल में भी रोमांटिक अंदाज में दिखते हैं। कई सीन्स हैं, जो दर्शकों का ध्यान खींचती नजर आ रही हैं। गहरा हुआ सॉन्ग की बात करें, तो इसे अरिजीत सिंह और अरमान खान ने मिलकर गाया है।

वनडे क्रिकेट: घरेलू मैदानों पर सबसे ज्यादा 50+ रन के स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने बीते रविवार को दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले वनडे मैच में 135 रन की पारी खेली।

यह उनके वनडे करियर का 52वां शतक साबित हुआ और भारतीय टीम ने 17 रन से मैच में जीत हासिल की। अपनी इस पारी के साथ ही वह घरेलू मैदानों पर सबसे ज्यादा 50+ रन के स्कोर करने वाले बल्लेबाज बन गए। आइए इस सूची के बारे में जानते हैं।

कोहली ने भारत में खेलते हुए यह अपना 25वां वनडे शतक लगाया। वह इस प्रारूप में घर पर खेलते हुए 34 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। कोहली ने भारत में कुल 125 वनडे मैच खेले हैं, जिसकी 122 पारियों में 60.94 की औसत और 96.92 की स्ट्राइक रेट के साथ 6,460 रन बनाए हैं। इस बीच उनका सवोच्च स्कोर 166* रन रहा है। अपने वनडे करियर में कोहली 14,000 से अधिक रन बना चुके हैं। कोहली ने इस मामले में सचिन तेंदुलकर का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा। बता दें कि तेंदुलकर ने भारत में कुल 58 पारियों में 50+ रन के स्कोर किए थे। इस बीच उन्होंने 20 शतक और 38 अर्धशतक लगाए थे। भारत में तेंदुलकर ने 164 वनडे मैच खेले थे, जिसकी 160 पारियों में 48.11 की औसत के साथ 6,976 रन बनाए थे। वह भारत में सर्वाधिक वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन वाले खिलाड़ी हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस भी इस सूची में मौजूद हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में खेलते हुए कुल 46 पारियों में 50+ रन बनाए थे, जिसमें 6 शतक और 40 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने घरेलू मैदानों पर कुल 142 मैच खेले थे, जिसकी 135 पारियों में 46.64 की औसत के साथ 5,178 रन बनाए थे। अपने वनडे करियर में कैलिस ने कुल रन 11,579 बनाए थे और गेंदबाजी में 273 विकेट लिए थे।

एक नजर

बिड़ला परिसर बना ओवरआल चैंपियन

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि की 48वीं अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में तीनों परिसरों सहित सम्बद्ध महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपना दमखम दिखाया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि के उप अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. विजय ज्योति ने विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने छात्रों से पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भविष्य को संवारने की बात कही। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में एसआरटी कैंपस टिहरी के धीरज सिंह और महिला वर्ग में बिड़ला परिसर की खुशी बिष्ट को सर्वश्रेष्ठ धावक से सम्मानित किया गया। महिला वर्ग में बिड़ला परिसर ने 70 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चैम्पियनशिप अपने नाम की, जबकि आरएमवी पैठाणी 28 अंक प्राप्त कर उपविजेता रही। पुरूष वर्ग में 88 अंक प्राप्त कर बिड़ला परिसर ने चैंपियनशिप प्रथम, जबकि डीएवी (पीजी) कालेज देहरादून 59 अंक प्राप्त कर उपविजेता रही। प्रतियोगिता में ओवरआल चैम्पियनशिप बिड़ला परिसर के नाम रही, वहीं डीएवी (पीजी) कालेज देहरादून उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के अंत में प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर गढ़वाल विवि के क्रीड़ा विभाग के निदेशक डा. जेपी मेहता, उपनिदेशक मोहित बिष्ट, सचिव वंदना डोभाल, डा. धनश्याम ठाकुर, डा. मुकुल पंत, गुरूदीप सिंह, सुदीप कुमार, दिनेश, सोनू कुमार आदि मौजूद थे।

कीर्तिनगर ब्लॉक में नियोजन समिति सहित छह समितियां गठित

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर में क्षेत्र पंचायत की विभिन्न समितियों का गठन कर सदस्यों को मनोनीत किया गया है। विकासखंड में विभिन्न कार्यों को संपादित कराने के लिए प्रमुख, ज्येष्ठ उप प्रमुख, कनिष्ठ प्रमुख को सभापति मनोनीत करके छः समितियों की घोषणा भी की गई है।

कीर्तिनगर ब्लॉक में ब्लॉक प्रमुख अचला खंडेवाल की अध्यक्षता में छः समितियों का गठन कर घोषणा की गई। नियोजन समिति में ब्लॉक प्रमुख कीर्तिनगर अचला खंडेवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य रानीहाट मनोज जोशी, सुरेंद्र जायड़ा, बीना देवी, बबीता देवी, सरोजनी देवी को सदस्य बनाया गया, जबकि प्रशासनिक समिति में ब्लॉक प्रमुख अचला खंडेवाल, सुमन नौटियाल, मुकेश सिंह, अवतार सिंह, अनीता देवी, आरती, निर्माण समिति में मनोज जोशी, सुशील चंद मैठाणी, अनीता देवी, अजंली देवी, मकान लाल, विजय मोहन, कुसुम देवी, शिक्षा समिति में सुरेंद्र सिंह जयाड़ा, चंद्रमोहन, भारती रावत, भारती राणा, जगत सिंह, उमिता, रामस्वरूप, स्वास्थ्य एवं कल्याण में स्नेहलता शाह, संजय, अनीता, लखपत सिंह, भावना पंवार, मंजू देवी, नीलम, जल प्रबंधन में मनोज कुमार लखेडा, सुरेश कुमार, कुसुम, जगत रावत, आशा देवी, रूकमणी, अमला, सुरेश कुमार को सदस्य नियुक्त किया गया। (एजेंसी)

पैनखण्डा महोत्सव 11 दिसंबर से, तैयारियां शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सोमवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में 11 दिसंबर से 17 दिसंबर तक आयोजित होने वाले पैनखण्डा महोत्सव 2025 के सफल संचालन एवं समुचित व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किये जाने हेतु बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी ने तहसील ज्योतिर्मठ के आयोजित होने वाले महोत्सव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को विभागीय स्टाल लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने वाहन पार्किंग की सुव्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, चिकित्सकीय सुविधाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सुचारू संचालन हेतु समुचित प्रबंध करने को कहा। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए महोत्सव को सफल एवं आकर्षक बनाने की बात कही।

आरोपी अतिथि शिक्षक का अनुबंध किया निरस्त

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चमोली जिले में नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले मुख्य शिक्षा अधिकारी चमोली के आदेश पर अतिथि शिक्षक (प्रवक्ता, राजनीति विज्ञान) युनुस अंसारी पुत्र स्व. शब्बीर अहमद के विरुद्ध पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि हुई है। जिसके क्रम में आरोपी शिक्षक का तत्काल प्रभाव अनुबंध को निरस्त कर दिया गया है। मुख्य शिक्षा अधिकारी श्रीकांत पुरोहित ने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए तथा विभागीय नियमों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज गौणा के द्वारा युनुस अंसारी का अतिथि शिक्षक के रूप में किया गया अनुबंध तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

ठंड के साथ बढ़ने लगे सर्दी-जुकाम व वायरल के मरीज

कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में लगी मरीजों की भीड़

बेस अस्पताल में प्रति दिन बढ़ रही मरीजों की संख्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दिसंबर माह के साथ ही ठंड का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। यही कारण है कि राजकीय बेस चिकित्सालय के साथ ही निजी अस्पतालों में इन दिनों मरीजों की संख्या में इजाफा होने लगा है। अस्पताल आने वाले अधिकांश मरीज सर्दी-जुकाम व बुखार से पीड़ित हैं। लगातार बदल रहे मौसम में चिकित्सक मरीजों व उनके तीमारदारों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

पिछले दस दिन से लगातार मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सुबह-शाम ठंड का अनुभव होने लगा है। ऐसे में करवट बदलते मौसम ने आमजन को बीमार करना शुरु कर दिया है। राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में सुबह से ही ओपीडी की पर्ची बनवाने वालों की भीड़ उमड़ रही है।

साथ ही चिकित्सक से सलाह लेने के लिए भी ओपीडी के बाहर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। यही स्थिति निजी अस्पतालों में भी बनी हुई है। चिकित्सकों की मानें तो मौसम व तापमान में आ रहे बदलाव के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की आवश्यक है।

यह हैं वायरल के लक्षण

तेज बुखार आना, ठंड लगना, नाक से पानी आना, गले में खरास, हल्की खांसी वायरल के मुख्य कारण है। ऐसे में बुजुर्ग व बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है। वायरल बड़ों के साथ ही छोटे बच्चों को भी अपनी चपेट में ले रहा है।

वायरल से बचाव के तरीके

वायरल से बचाव के लिए पानी को हल्का उबाल कर पीना चाहिए। घर के आसपास पानी जमा न होने दें। सुबह-शाम ठंड से बचने के लिए फुल बाजू के कपड़े पहने। बुखार की शिकायत होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। फ्रीज में रखे खाद्य पदार्थों का सेवन बंद कर दें।

हरकत में आया वन विभाग, टोल फ्री नंबर जारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वन्यजीवों की सक्रियता बढ़ने पर वन विभाग हरकत में आया है। विभाग ने वन्यजीवों की सक्रियता को लेकर टोल फ्री नंबर जारी किया है। डीएफओ गढ़वाल ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि विभाग का सहयोग करें, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम किया जा सके। डीएफओ गढ़वाल अभिमन्यु सिंह ने बताया कि ग्रामीण यदि अपने घरों के आसपास की झाड़ियों को काटकर खुला क्षेत्र बनाएं, किसी कार्य जाने के लिए समय समूह में चलें और बच्चों को अकेला न छोड़ें तो भालू व अन्य वन्यजीवों से सामना होने की स्थिति में खतरा काफी कम हो जाता है। बताया कि भालू एवं अन्य वन्यजीवों से संघर्ष रोकने के लिए विभाग विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है। पंपलेट वितरण, जागरूकता बैठकें, सोशल मीडिया मैसेज एवं जन-संपर्क अभियानों के माध्यम से सावधानियां लोगों तक पहुंचाई जा रही हैं। डीएफओ ने बताया कि यदि किसी क्षेत्र में वन्यजीवों की गतिविधि दिखाई दे तो तत्काल टोल फ्री नंबर 1926 पर सूचना दें, जिससे समय रहते टीम मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

समस्याओं का समाधान नहीं होने पर मंच ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर की समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं होने पर ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए सरकार व प्रशासन को गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

देवी रोड स्थित एक होटल में सदस्यों ने समस्याओं को लेकर चर्चा की। बताया कि शहर में सबसे बड़ी समस्या अतिक्रमण की है। जिससे आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूरे दिन सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। अतिक्रमण हटाने के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। बैठक में लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की भी मांग उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि सरकार को मार्ग निर्माण के लिए न्यायालय में पुख्ता पैरवी करनी चाहिए। लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण से ही क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। सदस्यों ने दशकों बाद भी मोटर नगर में आधुनिक बस अड्डे का निर्माण नहीं होने पर रोष व्यक्त किया। कहा कि आधुनिक बस अड्डे के नाम पर केवल एक गड्ढा ही नजर आ रहा है। बैठक में स्मार्ट मीटर व्यवस्था को समाप्त करने, आवारा पशुओं से निजात दिलवाने की भी मांग उठाई गई।

वहीं, सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण कर आंदोलनकारी व पूर्व काबीना मंत्री दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रवेश चंद्र नवानी, प्रकाश कोठारी, राजेंद्र प्रसाद पंत, सुनील नवानी, राकेश लखेड़ा, पातीराम ध्यानी, नरेंद्र सिंह रावत, डा. रमेश चंद्र नैथानी, चिंतामणी देवलियाल, राकेश मोहन आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने किया प्रस्तावित सुरंग निर्माण के खिलाफ प्रदर्शन

एनएच के अधिकारियों को करना पड़ा ग्रामीणों के आक्रोश का सामना

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सोमवार को गहड़, निसणी, सैणीखाल, बुआखाल और गडोली गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में बुआखाल चौराहे पर एकत्र हुए और श्रीनगर-पौड़ी-कोटद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर गडोली से घोड़ीखाल के बीच प्रस्तावित सुरंग निर्माण के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान मौके पर पहुंचे एनएच विभाग के अधिकारियों को भी ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरंग परियोजना से सरकार पर अनावश्यक वित्तीय बोझ पड़ेगा, जबकि इसी मार्ग पर पहले से दो सड़कें मौजूद हैं, जिनका सुधारीकरण और चौड़ीकरण अधिक व्यावहारिक और सुरक्षित विकल्प है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन शुरू करेंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि प्रस्तावित सुरंग लगभग 2100 मीटर लंबी होगी, जिसके निर्माण से क्षेत्र के भवनों, खेतों और प्राकृतिक स्रोतों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। उनका कहना था कि सुरंग निर्माण से पहले न तो ग्राम सभाओं से राय ली गई और न ही जनभावनाओं को समझने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों के अनुसार सुरंग निर्माण स्थानीय व्यापार, पर्यटन और स्वरोजगार को प्रभावित करेगा, जिससे पलायन का खतरा बढ़ जाएगा।

ग्रामीणों ने मांग उठाई कि सुरंग निर्माण के प्रस्ताव को तत्काल निरस्त किया जाए और राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर बनी सड़कों को दुरुस्त कर यातायात सुगम किया जाए। प्रदर्शन में ग्राम प्रधान जयराज सुरेश सिंह, भाष्कर बहुगुणा, विनोद दनोशी, भरत सिंह रावत, गौरव सागर, विपिन सिंह, राकेश रावत, बबीता देवी, आरती देवी, पूनम नेगी, अजीत सिंह रावत सहित कई लोग शामिल रहे।

पौड़ी के छात्रों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी के तीन छात्र-छात्राएं कला महोत्सव में समूह नृत्य में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह छात्र-छात्राएं 20 से 24 दिसंबर तक पुणे महाराष्ट्र में होने वाले कला महोत्सव में प्रतिभाग करेगें। इन छात्र-छात्राओं का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन होने पर विद्यालय परिवार ने खुशी जताई है।

स्कूल के प्रधानाचार्य वेदप्रकाश डोभाल ने बताया कि स्कूल के हर्षित, आशु, सुप्रिया और इशिका 20 से 24 दिसंबर तक पुणे महाराष्ट्र में होने वाले कला महोत्सव में समूह नृत्य की स्पर्धा में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। बताया कि बीएसएम इण्टर कॉलेज रुड़की में आयोजित राज्य स्तरीय कला उत्सव में गाइड अध्यापिका शिक्षा रावत के निर्देशन में स्कूल ने पौड़ी जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली स्पर्धा के लिए स्थान बनाया।

नशीली दवा बेचने वाला फरार चिकित्सक चढ़ा पुलिस के हत्थे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ा फरार चिकित्सक

कोटद्वार : गाड़ीघाट स्थित स्टेडियम बस्ती में एक क्लीनिक में नशे की दवा बेचने वाले चिकित्सक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। क्लीनिक में छापेमारी के बाद से चिकित्सक फरार चल रहा था। जबकि, मामले में क्लीनिक में काम करने वाले युवक को पुलिस ने पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया था।

कुछ दिन पूर्व वरिष्ठ औषधी निरीक्षक नीरज कुमार के नेतृत्व में पुलिस व प्रशासन की टीम ने मोहल्ला स्टेडियम बस्ती स्थित एक क्लीनिक में छापेमारी की थी। क्लीनिक से एक युवक कुछ सामान अखबार में लपेट कर किसी अन्य को देता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने युवक को दबोच लिया था। अखबार के पैकेट में दवा के 36 पैकेट मिले, जिनमें 288 कैप्सूल मौजूद थे। उक्त सभी कैप्सूल प्रतिबंधित नशीली दवा के थे। दबोचे गए युवक ने स्वयं का नाम मानपुर निवासी अरूण कंडवाल बताया था। पूछताछ में अरुण ने बताया था कि कैप्सूल समीप ही मौजूद डा. सूरज की दुकान से लिए और वह इन्हें कोटद्वार क्षेत्र में नशा करने वाले लोगों को बेचने जा रहा था। जानकारी मिलते ही टीम डा. सूरज के क्लीनिक में पहुंची, जहां दो किशोर मौजूद थे। एक किशोर ने बताया था कि वह बिजनौर जिले के ग्राम पंवडावली का रहने वाला है व कैप्सूल लेने दुकान में आया था। तलाशी के दौरान दुकान से अलग-अलग डिब्बों में प्रतिबंधित नशीली दवाओं के छह हजार कैप्सूल बरामद हुए। मौजूद दूसरे किशोर ने स्वयं को सूरज का भांजा बताते हुए कहा कि वह अपने मामा सूरज के साथ रहकर पढ़ाई करता है। बताया कि सूरज आज धामपुर में आयोजित विवाह समारोह में गया हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डा. सूरज के खिलाफ भी पुलिस को तहरीर दी गई थी। लेकिन, वह फरार चल रहा था। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि मामले में उत्तर प्रदेश जिला बिजनौर, बढ़ापुर निवासी डा. सूरज कुमार को उसके घर के समीप से गिरफ्तार कर लिया गया है।

बच्चों ने नुक्कड़ नाटक से दिया एड्स से बचाव का संदेश

कोटद्वार में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एड्स से बचाव की जानकारी देते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरुराम राय पैरामेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने रैली व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एड्स से बचाव का संदेश दिया। इस दौरान लोगों को समाज में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक यह संदेश पहुंचाने की अपील की गई। वहीं, ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था की ओर से जेपी इंटर कॉलेज एवं बारातघर झंडीचौड़ में जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। विद्यालय परिसर से निकाली गई रैली को पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. गिरीश उनियाल व धीरेंद्र मोहन रतूड़ी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहर के विभिन्न मार्गों पर जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान हाथों में तख्ती पकड़े बच्चों ने एड्स से बचाव की जानकारी दी। रैली से पूर्व कालेज परिसर के निदेशक धीरेंद्र मोहन रतूड़ी, पैरामडिकल कालेज के प्राचार्य डा. गिरीश उनियाल व नर्सिंग कालेज के प्राचार्य डा. राजकुमार ने बच्चों को एड्स से संबंधित जानकारियां दी। कहा कि एड्स से बचाव के लिए समाज का जागरूक होना अति आवश्यक है। समाज में रहने वाले प्रत्येक शिक्षित व्यक्ति को इसके लिए अभियान चलाना चाहिए। अभियान के दौरान देवी मंदिर, झंडाचौक व तहसील परिसर में नुक्कड़ नाटक किया गया। इस मौके पर प्रणव राज बमराड़ा, श्वेता बिष्ट, दिव्यांशी, अदित्य, प्रगति, शिवी, पूजा, अखिल, ऋतुजा, गांधी खाबा, नीरज आदि मौजूद रहे। वहीं, हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था ने जेपी इंटर कॉलेज व बारातघर झंडीचौड़ में गोष्ठी के माध्यम से लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर निदेशक गीता गुसाईं, लखपत सिंह राणा, प्रीति बिष्ट, प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र कुकरेती, अंशिका गुप्ता आदि मौजूद रहे।

जल्दू दूर होगी कलियासौड़ क्षेत्र की पेयजल समस्या

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर के कलियासौड़ और सिद्धपीठ धारी देवी क्षेत्र को जल्द पेयजल समस्या से छुटकारा मिलेगा। इसके लिए गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने रेलवे विकास निगम से 74 लाख 43 हजार रूपये स्वीकृत कराए हैं। पेयजल योजना का पैसा स्वीकृत होने पर स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए गढ़वाल सांसद का आभार व्यक्त किया है। बता दें कि कलियासौड़ पेयजल योजना छांतीखाल से चल रही थी, जो कि वर्तमान में रेलवे सुरंग बनने से प्रभावित हो गई थी, जिससे कलियासौड़ और धारी देवी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति ठीक से नहीं हो पा रही थी। इस संदर्भ में पूर्व में कलियासौड़ पार्षद राजेंद्र नेगी ने गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी को समस्या से अवगत कराया था। पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए गढ़वाल सांसद बलूनी ने आरवीएनएल के प्रबंधन से वार्ता कर जल्द स्थानीय लोगों को पेयजल आपूर्ति ठीक करने किये जाने की बात कही थी। पार्षद राजेंद्र नेगी ने बताया कि आरवीएनएल ने जिलाधिकारी गढ़वाल को पेयजल के लिए 74 लाख 43 हजार रूपये की धनराशि का चेक प्रदान किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जल्द ही कलियासौड़ में पेयजल आपूर्ति सुचारु होगी।

ऑपरेटर नेटवर्क प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर शीघ्र रिपोर्ट दें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने नेटवर्क प्रभावित क्षेत्रों को लेकर संबंधित विभागों एवं नेटवर्क कंपनियों के अफसरों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी ऑपरेटरों को निर्देश दिए कि जहां-जहां नेटवर्क कम या बाधित है, उन क्षेत्रों का सर्वे कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। डीएम ने कोटद्वार क्षेत्र में बंद पड़े इंडस कंपनी के झुके हुए टॉवर को संबंधित कंपनी को टॉवर तत्काल हटाने के निर्देश दिए। सोमवार को आयोजित बैठक में डीएम ने बीएसएनएल के अफसरों को नए स्थापित चार टॉवरों के संचालित न होने के कारणों की पहचान कर विद्युत विभाग के साथ समवंय स्थापित करते हुए तत्काल संचालित करने के निर्देश दिए। कहा कि राजस्व गांवों एवं ग्राम पंचायतों में नेटवर्क की स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। डीएम ने थलीसैंण ब्लॉक के मरोड़ा, खिर्सू के गोदा, रिखणीखाल के द्वारी, पाबौ के सांकर, यमकेश्वर के जुलेड़ी, कोट के व्यासघाट सहित अन्य गांवों में नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल, डीजीएम बीएसएनएल जय सिंह चौहान, एजीएम बीएसएनएल हरप्रीत सिंह, सहायक अभियंता जिला विकास प्राधिकरण रणवीर सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत अभिनव रावत, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सचिन भट्ट आदि मौजूद रहे।

जंगली जानवरों से निजात दिलाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रदेश में लगातार बढ़ रहे जंगली जानवरों के हमलों पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि इसके लिए केंद्र व प्रदेश सरकार को मिलकर योजना तैयार करनी चाहिए। पहाड़ों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। समस्याओं को लेकर पूर्व सैनिकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ों में जंगली जानवर मुसीबत बनते जा रहे हैं। आए दिन जानवरों के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। राज्य सरकार केवल मृतकों के स्वजनों को मुआवजा देने तक ही सीमित है। किस क्षेत्र में कितने गुलदार या अन्य जंगली जानवर घूम रहे हैं। इस बारे में प्रदेश सरकार के पास कोई डाटा नहीं है। कहा कि ऐसी स्थिति में अब केंद्र सरकार को प्रदेश की जनता की मदद करनी चाहिए। मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने के लिए योजना बनाई जानी चाहिए। बैठक में शहर में लगातार बढ़ रहे आवारा कुत्तों के आतंक पर भी रोष व्यक्त किया गया। कहा कि आवारा कुत्ते आए दिन लोगों को काटकर जख्मी कर रहे हैं, बावजूद सिस्टम लापरवाह बना हुआ है। इस मौके पर परिषद के संरक्षक गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, अनिल डबराल, बलवान सिंह, संजय असवाल, हरीश खुगशाल, पुष्कर रावत आदि मौजूद रहे।

पदयात्रा की तैयारियां शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा शाखा की 7 दिसंबर को होने वाली पद यात्रा के लिए चर्चा की गई। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजीव उनियाल ने कहा कि 7 दिसंबर को रामलीला मैदान कीर्तिनगर से धारी देवी तक निकलने वाली रैली में राष्ट्रीय, प्रदेश, मंडलों तथा विभिन्न जिला स्तर कार्यकारिणियों के सहयोग से पद यात्रा निकाली जायेगी। उन्होंने सभी से पद यात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में हिमांशु कुंवर, प्रमोद चौहान, ऋषि कुमार सिंह, अनिल भट्ट, भगवती प्रसाद, चंद्रशेखर उनियाल आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

जीवन को नई राह दिखाती है भगवत गीता

कोटद्वार के कण्वाश्रम में गीता का पाठ करते विद्यार्थी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में गीता जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दौरान कण्वाश्रम स्थित गुरुकुल महाविद्यालय में गीता के 15वें अध्याय का पाठ व यज्ञ किया गया। वहीं, हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में भी गीता जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम हुए।

गीता जयंती पर वैदिक गुरुकुल कण्वाश्रम व हेमनदास सस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने गीता का पाठ कर उसके अर्थ को समझा। वक्ताओं ने कहा कि गीता हमें खुशहाल जीवन जीने की कला सिखाती है। सोमवार को प्रधानाचार्य मनमोहन नौटियाल व उनके शिष्यों ने गीता के 15वें अध्याय का पाठ किया। इसके उपरांत गीता के श्लोकों से हवन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्कृत शिक्षक डा. कुलदीप मैंदोला ने गीता के महात्म्य पर प्रकाश डाल। मालिनी वैली कालेज के चेयरमैन योगंबर सिंह ने युवाओं को गीता पढ़ने की सीख दी। कहा कि गीता हमें बेहतर जीवन जीने की राह देती है। कार्यक्रम के दौरान गढ़वाली व कुमाऊंनी कीर्तन मंडली की ओर से भजनों की भी प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर डायरेक्टर स्वेता रावत, उषा रावत, डा. प्रभा जोशी, प्रकाश चंद्र, रूनुमी शर्मा, नूतन कुकरेती, मंजू कापरवान, बीना पांडेय आदि मौजूद रहे। वहीं, विद्या भारती से संबंध हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में भी गीता जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष सिया राणा ने विद्यार्थियों को गीता के श्लोकों का पाठ करवाया। इस मौके पर शिक्षक मनोज जोशी, सुनीता पंत, योगेश नेगी, पूजा चतुर्वेदी, हेमा पांडे आदि मौजूद रहे।

बूंखाल मेले की तैयारी समय से पूरी करें : डीएम

सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन विशेष ध्यान दें

जयन्त प्रतिनिधि।

डीएम स्वाति एस भदौरिया बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने जिला कार्यालय में 06 दिसम्बर को आयोजित होने वाले बूंखाल मेले की तैयारी बैठक ली। हैं। उन्होंने कहा कि मेले में भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, जिसके लिए उन्होंने सभी व्यवस्थाएं सुचारु रखने को कहा। कहा कि सभी विभाग नोडल अधिकारी की सूची बनाकर संयुक्त मजिस्ट्रेट से समन्वय करें तथा मेला आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरा करें, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े।

सोमवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने लोनिवि के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी चेकपोस्ट का समयबद्ध निर्माण करें। उन्होंने सड़कों में किए गए पैचवर्क की भी जानकारी ली। कहा कि वाहनों को खड़े करने के लिए पार्किंग व्यवस्था हो, इसका विशेष ध्यान दें, जिससे जाम से निजात मिल सके। उन्होंने पेयजल विभाग को मेला स्थल पर पेयजल की व्यवस्था व उरेड़ा विभाग को लाइट लगाने को कहा। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को बूंखाल मेले के आयोजन के दौरान पुलिस कंट्रोल रूम स्थापित करने व आयोजन स्थल पर लाउडस्पीकर की व्यवस्था करने, भीड़ प्रबंधन व यातायात व्यवस्था बेहतर तरीके संचालित करने के निर्देश दिए। डीएम ने मेला स्थल पर मेडिकल कैम्प लगाए जाने तथा एंबुलेंस की उपलब्धता के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने डोलियों का पंजीकरण, दुकानदारों का सत्यापन करने को कहा। उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी को अवैध मदिरा की बिक्री के संबंध में सख्त कदम उठाते हुए छापेमारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अग्निशमन व्यवस्था और बायो टायलेट भी स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला पंचायत को स्वच्छता और झाड़ी कटान के लिए भी निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, अधीक्षण अभियंता जल संस्थान प्रवीण सैनी, अधिशासी अभियंता लोनिवि शिवम मित्तल, एआरटीओ एन.के ओझा, एसडीओ वन आएशा बिष्ट, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत भावना रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सूचना: 01-Tele-UTS,PRS,KGFYARD-MB-2024-25, दि0:-01/12/2025

विषयः- मुरादाबाद मंडल के संकेत एवं दूरसंचार के टेंडर की निविदा के सम्बन्ध में।

सन्दर्भः- (1) इस कार्यालय का टेंडर नोटिस संख्या 01-Tele-UTS, PRS, KGFYARD-MB-2024-25 दिनांक 20.11.2025

उक्त सन्दर्भ में मुरादाबाद मंडल की एस0 एवं टी0 शाखा के निम्न कार्य के लिए निविदा खोलने की तिथि में बदलाव किया गया है।

क्र0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	निविदा खोलने के लिए तिथि और समय	निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4
1	01-Tele-UTS-MB-2024-25- इम्प्लीमेंटेशन ऑफ यूटीएस मोडराइजेशन फार टीयर 2/3/4 लोकेशन ओवर मुरादाबाद डीविजन	19/12/2025 15:00 hrs.	22/12/2025 15:00 बजे।
2	01-Tele-PRS-MB-2024-25- इम्प्लीमेंटेशन ऑफ पीआरएस मोडराइजेशन फार टीयर 2/3/4 लोकेशन ओवर मुरादाबाद डीविजन	19/12/2025 15:00 hrs.	22/12/2025 15:00 बजे।
3	SNT-RT1-SIG-KGFYARD-Weigh सिगनलिंग अलट्रेशन एट केजीएफ स्टेशन फार ई आई. एस. डब्लू. बी.	19/12/2025 15:00 hrs.	22/12/2025 15:00 बजे।

निविदा की अन्य नियम व शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नोटः- निविदा के पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 3717/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

जनता दर्शन में उमड़ा जनसैलाव: 130 शिकायतें दर्ज

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर सोमवार को ऋषिपर्णा सभागार में अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा की अध्यक्षता में जनता दरबार लगाया गया। जनता दरबार में घरेलू व जमीन विवाद, सीमांकन, सड़क डामरीकरण, सिंचाई गूल, ऋण माफी, आर्थिक अनुदान, भरण पोषण, रोजगार आदि से जुड़ी 130 समस्या/शिकायतें दर्ज हुई। अपर जिलाधिकारी ने मौके पर ही कई मामलों का निष्पादन किया साथ ही कुछ प्रकरणों को इससे जुड़े विभागों को अग्रसारित करते हुए विधि सम्मत त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आमवाला निवासी बुजुर्ग विद्या देवी ने बेटे और बहू पर मारपीट कर घर से बाहर करने और शिव कॉलोनी निवासी मंगला ने अपने पति द्वारा घर से निकालने व खर्च न देने की शिकायत पर पर एसडीएम सदर को भरण पोषण में वाद दायर करने के निर्देश दिए गए। वहीं लक्ष्मण चौक निवासी बुजुर्ग महिला ने अपने पूत्रों एवं पुत्र बंधुओं पर मारपीट कर परेशान करने शिकायत पर एसएचओ कोतवाली को जांच के निर्देश दिए गए। बुजुर्ग, बीमार 68 वर्षीय जसपाल सिंह ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि उनका पुत्र 14 वर्ष पहले दुबई चला गया। तबसे वह वापसी घर नही आता है और ना ही खर्च देता है। घर पर उसके तीन बच्चे और पत्नी है। जिनका पालन पोषण बुर्जुग दादा कर रहे है, लेकिन अब बुजुर्ग का स्वास्थ्य खराब चल रहा है। जिससे परिवार पर आर्थिक संकट खडा हो गया है। उन्होंने बेटे के विरुद्ध कार्रवाई कर परिवार के भरण पोषण की गुहार लगाई।

पुलिस ने दिव्यांगों को धरना प्रदर्शन करने से रोका

देहरादून। उत्तराखंड दिव्यांग क्रांति महाआंदोलन, क्रांतिकारी मूक बधिर से जुड़े दिव्यांगजन सोमवार को अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करने परेड ग्राउंड पहुंचे। लेकिन पुलिस ने उन्हें धरना प्रदर्शन करने से रोक दिया। सभी को करनपुर पुलिस चौकी ले जाया गया। शाम को शासन स्तर पर वार्ता का आश्वासन मिलने के बाद दिव्यांग वापस लौट गए। दिव्यांगों ने कहा कि संगठन की ओर से धरने की सूचना प्रशासन को पूर्व में दे दी गई थी। लेकिन पुलिस उन्हें करनपुर पुलिस चौकी लेकर गई। संदीप अरोड़ा ने कहा कि उन्हें बुधवार को शासन स्तर पर वार्ता का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि मांगें पूरी करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाया गया तो आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान विपिन चौहान, उमेश ग्रोवर, सोनिया अरोड़ा, अपूर्व नौटियाल, बबीता तंवर, विनीता, बीना, ललिता, अंकित भटनागर, संजय नेगी, भारत भूषण, छत्रपाल, इस्लामुद्दीन, सचिन रौथान, विपिन थपलियाल, विजय भट्ट, शैलेन्द्र आदि मौजूद रहे। कुछ अन्य दिव्यांगों को पुलिस ने दून आने के दौरान हिरासत में लिया।

एसजीआरआर विवि में छात्र परिषद ने ली शपथ

देहरादून। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय में नव गठित छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को हुआ। विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट श्रीमहंत देवेंद्र दास ने कहा कि छात्र किसी भी संस्था की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं और छात्र परिषद नेतृत्व, अनुशासन एवं सेवा का उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। उन्होंने नए पदाधिकारियों से विश्वविद्यालय और समाज की उन्नति हेतु निष्ठापूर्वक कार्य करने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. प्रथपन के पिल्लई ने कहा कि छात्र परिषद विश्वविद्यालय की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने नए पदाधिकारियों को सर्वसुलभ, नैतिक और अनुशासित वातावरण बनाने तथा उपयोगी गतिविधियों के संचालन के लिए प्रेरित किया।

विश्व एड्स दिवस पर परसुंडाखाल में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

छात्र-छात्राओं के एचआईवी/एड्स से जुड़े भ्रम दूर किए

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जनता इंटर कॉलेज परसुंडाखाल में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विधिक जागरुकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं व स्थानीय नागरिकों को एचआईवी/एड्स के संक्रमण के कारण, उसके फैलने के तरीके, रोकथाम के उपाय एवं संक्रमित व्यक्तियों से संवेदनशील व्यवहार अपनाने से जुड़ी जानकारी दी गयी।

सोमवार को आयोजित शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नाजिश कलीम ने बताया कि एड्स से संबंधित कई भ्रांतियां समाज में अब भी मौजूद हैं, जिन्हें विज्ञान और जागरुकता के माध्यम से दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एचआईवी/एड्स से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति के मौलिक अधिकार सुरक्षित हैं और उनके प्रति भेदभाव अस्वीकार्य है। उन्होंने समाज में सकारात्मक सोच और सहयोगपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं, विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं तथा नालसा हेल्पलाइन 15100 के माध्यम से सहायता प्राप्त करने की जानकारी भी दी। इस मौके पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के डॉ. सुमित, डॉ. कंचन, जिला तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम समन्वयक श्वेता गुसाईं, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार, विद्यालय की प्रधानाचाया अंजू, अधिकार मित्र सावित्री देवी, मनोज पाल सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उच्च हिमालयी क्षेत्र औषधीय एवं सुगंधित पौधों का प्राकृतिक घर

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) और उद्योगिनी ने उत्तराखंड की विलुप्तप्राय हिमालयी जड़ी-बूटियों को बचाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। एमओयू ऊंचाई वाले क्षेत्रों से विलुप्त होती जा रही जड़ी-बूटी के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्य करेगी।

विशेषज्ञों के अनुसार उत्तराखंड के बुग्याल विश्व में अद्वितीय जैव-विविधता वाले क्षेत्र हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन, मानव दखल और अवैज्ञानिक दोहन ने इन क्षेत्रों को गंभीर संकट में डाल दिया है। ऐसे में संकटग्रस्त औषधीय पादप के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हैप्रेक संस्थान और उद्योगिनी मिलकर कार्य करेंगी। एमओयू साइन के दौरान हैप्रेक के निदेशक डॉ. विजयकांत पुरोहित ने कहा कि उच्च हिमालयी क्षेत्र अनेक औषधीय एवं सुगंधित पौधों का प्राकृतिक घर हैं, लेकिन बदलती जलवायु, बाहरी कारक और अवैध दोहन के कारण ये महत्वपूर्ण प्रजातियां अस्तित्व के खतरे का सामना कर रही है, जो कि चिंता का विषय है। हैप्रेक और उद्योगिनी दोनों ही आपसी सहयोग से जड़ी-बूटी और पर्यावरण सरंक्षण क्षेत्र में कार्य करेंगी। उद्योगिनी के प्रोजेक्ट मैनेजर शिवम पंत ने बताया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थानीय लोग बताते हैं कि पहले ये बुग्याल हाथजड़ी, अतीस, चोरा और मीठा जैसी कई औषधीय प्रजातियों से भरे रहते थे, लेकिन अवैज्ञानिक और अस्थिर दोहन ने इन्हें अत्यंत दुर्लभ बना दिया है। यह साझेदारी उस क्षति की पुनप्राप्ति का एक आवश्यक कदम है। कहा कि हैप्रेक संस्थान और उद्योगिनी के बीच हुए एमओयू में विलुप्तप्राय प्रजातियों का पुनर्स्थापन करना है। बताया कि यह समझौता चमोली जिले में दुर्लभ, संकटग्रस्त और विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य केवल पौधे रोपण नहीं, बल्कि वैज्ञानिक निगरानी एवं समुदाय सहभागिता के माध्यम से दीर्घकालिक पारिस्थितिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। बताया कि हैप्रेक संस्थान तकनीकी मार्गदर्शन और स्थानिक प्रजातियों के पौधे तैयार करेगा। बताया कि जो भी पौध हैप्रेक संस्थान द्वारा तैयार की जायेगी उन्हें वाण, घूनी, पड़ैर नंदानगर, भर्की उर्गम, पाणा दशोली, चामी (थराली) और खैनोली नारायणबागढ़ के बुग्यालों में रोपण किया जायगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. सुदीप चंद्र सेमवाल वैज्ञानिक मार्गदर्शन, पौध सामग्री की आपूर्ति और प्रशिक्षण ढांचे की जिम्मेदारी संभालेगें।

गोष्ठी के माध्यम से किया एड्स के प्रति जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण कार्यक्रम के उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था पौड़ी द्वारा लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सोमवार को राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज पौड़ी में जनजागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के माध्यम से लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया।

गोष्ठी में टीआई कार्यक्रम के परियोजना प्रबंधक अजय राणा ने एड्स, टीबी के लक्षण, इससे बचाव, उपचार तथा कारण के बारे में बताया। बताया कि एड्स मुख्यतः चार कारणों से फैलता है असुरक्षित यौन सम्बन्ध, संक्रमित सुई के साझा इस्तेमाल से, संक्रमित रक्त चढ़ाने से व संक्रमित गर्भवती माता से उसके होने वाले शिशु को। कहा कि एड्स से बचाव के लिए समाज का जागरूक होना अति आवश्यक है। समाज में रहने वाले प्रत्येक शिक्षित व्यक्ति को इसके लिए अभियान चलाना चाहिए। बताया गया कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है, इस महामारी को जड़ से खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर पिंकी, संगीता वाल्मिकी, शोभा बर्थवाल, नेहा घिल्डियाल, सुषमा बिष्ट, पारेश्वरी, अमिता वर्मा, पूजा भंडारी, अंजलि, रजनी देवी आदि मौजूद थे।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गढ़वाल विवि का स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय का 52वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि श्रीनगर के प्रथम छात्र संघ अध्यक्ष व विवि स्थापना आंदोलन समिति के सदस्य एवं आईडीपीएल ऋषिकेश के प्रभारी महाप्रबंधक पद से सेवानिवृत्त विक्रम सिंह चौहान ने द्वीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य अतिथि विक्रम सिंह चौहान ने कहा कि तत्कालीन प्रदेश सरकार ने पर्वतीय क्षेत्रों में एक विश्वविद्यालय खोलने की अनुमति प्रदान कर दी थी, उस समय बिड़ला परिसर आगरा विश्वविद्यालय के अधीन संचालित किया जाता था। पर्वतीय क्षेत्र में विश्वविद्यालय नैनीताल में खोले जाने की चर्चाएं जोरां पर थी, लेकिन जनता को श्रीनगर में ही विश्वविद्यालय चाहिए था। बताया कि विश्वविद्यालय स्थापना में स्वामी मनमंथन के साथ स्थानीय जनता व महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्थानीय जनता के आंदोलन को देखते हुए तत्कालीन सरकार द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों में दो विश्वविद्यालय खोलने की अनुमति दी गई। जिसके परिणाम स्वरूप 1 दिसंबर 1973 को गढ़वाल विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया। उन्होने आंदोलन के दौरान कई घटनाक्रमों को छात्रों एवं शिक्षकों के समक्ष साझा किया। कार्यक्रम का संचलन करते हुए मुख्य छात्रावास अधीक्षक डॉ. एसएस बिष्ट ने गढ़वाल विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर स्वामी मनमंथन के योगदान व उनके जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में गढ़वाल विवि के प्रभारी कुलपति प्रो. एमएमएस रौथाण, प्रभारी कुलसचिव अनीस उज जमान, जन संपर्क अधिकारी आशुतोष बहुगुणा सहित विवि के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, छात्र प्रतिनिधि एवं कर्मचारी प्रतिनिधि मौजूद रहें।

कार्यदायी संस्था मोटर मार्ग निर्माण कार्य में तेजी लाएं : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : सोमवार को घुर्मा-कुंडी मोटर मार्ग के निर्माण कार्य को लेकर जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को मोटर मार्ग निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था एनपीसीसी के मैनेजर को सड़क निर्माण से संबंधित टेंडर प्रक्रियाओं एवं वन विभाग से जुड़े लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर कार्य आरम्भ करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कार्यदायी संस्था शासन स्तर पर आवश्यक प्रस्ताव समयबद्ध तरीके से भेजते हुए निर्माण कार्यों में गति लाए। उन्होंने विभागीय सम्बंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर कराये जाने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के प्रति अपनी समस्याएं साझा कीं, जिस पर जिलाधिकारी ने सकारात्मक समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में जिला पंचायत सदस्य महेंद्र नेगी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, तहसीलदार नंदानगर राकेश देवली, एनपीसीसी के मैनेजर नरेन्द्र, वन विभाग के एसडीओ विकास दरमोडा, मौखमल्ला क्षेत्र के ग्रामीण मौजूद रहे।

पेयजल समस्या को दूर करने के लिए शीघ्र योजना बनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सोमवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में पोखरी क्षेत्र में पेयजल से सम्बंधित समस्याओं की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने जल संस्थान एवं जल निगम के अधिकारियों को पेयजल की समस्याओ को दूर करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता जल निगम को पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए शीघ्र योजना बनाने, तात्कालिक समस्या से निपटने के लिए वैकल्पिक रूप से पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जल संस्थान एवं जल निगम के अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाकर जल संकट को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर पानी सप्लाई टैंकरों के माध्यम से भी सुनिश्चित किये जाने की बात कही। साथ ही उन्होंने जल जीवन मिशन तथा अमृत योजना के तहत जल आपूर्ति सुनिश्चित करने और अधिक से अधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पंहुचाने की बात कही। इस दौरान विधायक लखपत बुटोला ने पोखरी के गावों में पानी की समस्या को तात्कालिक रूप से दूर किये जाने, सरकार की चल रहीं योजनाओं को तय समय में पूरा कर पेयजल योजनाओं का सभी को लाभ देने की बात कही।

डोईवाला के इठारना में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आज विकासखंड डोईवाला के ग्राम इठारना में बहुउद्देशीय शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत आमजन को विभिन्न शासन की कल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं सुविधाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना था। जिलाधिकारी नहीं कहा कि दूरस्थ क्षेत्र के अंतिम छोर में निवासरत प्रत्येक बुजुर्ग, व्यक्ति, महिला बच्चा सरकार और जिला प्रशासन के लिए प्रथम व्यक्ति है। जिला अधिकारी ने कहा कि हमारा यही प्रयास है कि बहुउद्देशीय शिविर में प्राप्त हुए प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। डीएम ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं, मांगों एवं अपेक्षाओं को विस्तार से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों एवं मांगों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को तुरंत लाभान्वित किया जाए। बहुउद्देशीय शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए वहीं शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में जीआईसी इठरना के बच्चों ने अपने बने प्रोडक्ट की जानकारी जिलाधिकारी को दी, जिसमें अवनीश रावत ने मिश्रित खेती तथा कनिष्का पुंडीर ने देवी आपदा के दौरान बचाव संबंधी बनाए गए प्रोडक्ट की प्रस्तुति दी।

जागेश्वर धाम के लिए 27 वरिष्ठ तीर्थयात्रियों का पहला दल रवाना

देहरादून। पं0 दीन दयाल मातृ पितृ तीर्थाटन योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के 27 तीर्थयात्रियों का पहला दल सोमवार को जनपद देहरादून से जागेश्वर धाम अल्मोड़ा के लिए रवाना किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने सोमवार को गढ़वाल मंडल विकास निगम, द्रोणागिर होटल से तीर्थयात्रियों के इस दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तीर्थयात्रियों का यह दल पहले दिन सोमवार को भीमताल में प्रवास करेगा। दूसरे दिन जागेश्वर धाम और तीसरे दिन वापस भीमताल में प्रवास करने के बाद 04 दिसंबर,2025 को देहरादून पहुंचेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बुजुर्ग की तीर्थयात्रा की मंगल कामना के साथ दल को रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला पर्यटन विकास अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

चित्रकला प्रतियोगिता में आकृति, अनुकृति ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : डी.ए.वी. इंटर कालेज पौड़ी में उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट पौड़ी द्वारा पौड़ी नगर के ख्यात लोक चित्रकार धरणीधर चंदोला, चित्रकार बी. मोहन नेगी एवं जनसंघर्षों की आवाज राजेन्द्र रावत राजू भाई की स्मृति में चित्रकला प्रतियोगिता, रेखांकन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में नगर के विभिन्न्न विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया।

जूनियर वर्ग चित्रकला प्रतियोगिता में आकृति प्रथम, यशिका नेगी द्वितीय, हर्षिल बलोधी तृतीय स्थान पर रहे। कला प्रतियोगिता प्राईमरी वर्ग में अनुकृति, रियान अली, श्रवण रावत, सीनियर वर्ग रेखांकन प्रतियोगिता में आस्था कंडारी, सृष्टि शाह, मानवी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में चित्रकार एवं फोटोग्राफर त्रिलोक नेगी, जीजीआइसी से नेहा घिल्डियाल और आशीष मोहन शामिल रहे। इस अवसर पर चित्रकला एवं रेखाकंन प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये। निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को 14 दिसंबर को राजेन्द्र रावत ह्यराजुह्ल की स्मृति में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जायेगा। इस मौके पर डीएवी कालेज के प्रधानाचार्य बालेश्वर, बाल कहानी लेखक मनोहर चमोली ह्यमनुह्ल, आशीष नेगी, स्वपनिल धस्माना, मनोज गुनियाल, रैमासी रावत, अनुसुइया प्रसाद भट्ट दीपक, पिंकी, तनुजा, नितेश, गुनगुन, ट्रस्टी रवि रावत, नागरिक मंच के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, प्रादेशिक शिल्पकार संगठन के अध्यक्ष हरीश चन्द्र शाह, हुक्म सिंह टम्टा, पालिटेक्निक कालेज से शैलजा सिंह, श्रीकांत, नरेश नौडियाल आदि मौजूद रहे।

बदरीनाथ नगर पंचायत ने यात्रा काल में कूड़े से की 8 लाख से अधिक की आय

जयन्त प्रतिनिधि।चमोली : बदरीनाथ धाम की यात्रा के दौरान सफाई की चाक चौबंध व्यवस्था करना बड़ी चुनौती बनी रहती थी। वहीं नगर पंचायत बदरीनाथ ने धाम में होने वाले कूड़े को समृद्धि का आधार बना लिया है। यहां नगर पंचायत की ओर से कूड़े का विपणन कर 8 लाख से अधिक की आय अर्जित की है। जो अब जनपद की अन्य नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए भी मॉडल के रूप में स्थापित हो गया है।बदरीनाथ धाम में सफाई व्यवस्था का जिम्मा नगर पंचायत के पास है। जिसके लिए पंचायत की ओर से जहां प्रतिवर्ष यात्राकाल में यहां पर्यावरण मित्रों की तैनाती की जाती है। वहीं कूड़ा निस्तारण के लिए एम.आर.एफ सेंटर, कॉम्पेक्टर मशीन, ऑर्गेनिक वेस्ट कनवर्टर मशीन के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। जिनके माध्यम से एक ओर नगर पंचायत की ओर से प्लास्टिक और अन्य कचरे के ब्लॉक बनाकर विपणन किया जाता है। वहीं खाद्य सामग्री के कचरे से कम्पोस्ट खाद बनाकर बेचा जा रहा है। जिससे धाम में सफाई व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के साथ पंचायत को अच्छी खासी आय भी प्राप्त हो रही है। इस यात्राकाल में बदरीनाथ नगर पंचायत ने कुल 230 टन कूड़े का निस्तारण किया है। जबकि 133 टन सूखे के ब्लाक और 97 गीले कूड़े की कम्पोस्ट खाद बनाकर 8 लाख 89 हजार 598 रुपए की आय अर्जित की है। इसके साथ ही पंचायत ने इको पर्यटक शुल्क के माध्यम से 1 करोड़ 14 लाख 97 हजार 56 रुपए की आय अर्जित की गई है। वहीं फास्ट टैग बैरियर से 92 लाख 60 हजार 796 रूपये और हेलीकॉप्टर संचालन से मिलने वाले शुल्क से 22 लाख 36 हजार 260 लाख की आय अर्जित की है।

धाम में चलाया डीप सेनेटाइजेशन अभियान

बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद नगर पंचायत बदरीनाथ की ओर से सफाई व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के लिए डीप सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। यहां पर्यावरण मित्रों की ओर से धाम के मंदिर परिसर के साथ ही ब्रह्म कपाल, तप्त कुंड, बामणी पैदल मार्ग, मुख्य बाजार, साकेत चौराहे, बद्रीश झील, शेषणेत्र झील के आसपास सफाई अभियान चलाया। पंचायत ने धाम से एकत्रित कचरे का निस्तारण कर दिया है।

क्या है ईको पर्यटक शुल्क

नगर पंचायत की ओर से बदरीनाथ धाम में आने वाले बाहरी वाहनों से ईको पर्यटक शुल्क लिया जाता है। जिससे होने वाली आय से पंचायत धाम में सफाई व्यवस्था, पर्यटन विकास के साथ अन्य व्यय वहन किया जाता है।

ड्रग्स के खिलाफ जिला प्रशासन सख्त

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए नशा संभावित क्षेत्रों, उच्च शिक्षण संस्थानों, निजी एवं शासकीय विद्यालयों के आसपास वृहद स्तर पर ड्रग्स चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। एसडीएम हरिगिर के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की ड्रग्स टेस्टिंग टीम ने सोमवार को ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून में बड़े पैमाने पर छात्र-छात्राओं की टेस्टिंग की। उच्च शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की रोकथाम और सुरक्षित शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए यह कदम उठाए जा रहे है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के तहत कराया जा रहा है ताकि विद्यार्थियों को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखा जा सके।

जिलाधिकारी के सख्त निर्देश है कि यदि किसी स्कूल कालेज में ड्रग टेस्टिंग में कोई विद्यार्थी, बच्चे पॉजिटिव पाए जाते हैं तो सम्बन्धित डीन, कालेज स्वामी के विरुद्ध अपराधिक कार्यवाही की जाएगी। मा0 मुख्यमंत्री के नशा मुक्त राज्य के विजन को धरातल पर उतारने को जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन की ड्रग्स टेस्टिंग टीम आज तड़के ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी देहरादून पहुंची। अभियान के दौरान बडी संख्या में छात्रों की सैंपलिंग की गई। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे से होने वाले स्वास्थ्य एवं करियर संबंधी दुष्परिणामों के बारे में भी जागरूक किया गया।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382—222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com